मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
01 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में समसामयिक शिक्षा में शिक्षक के उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य विषय पर व्याख्यान

दिनांक 01 फरवरी, 2023 को शिक्षा विद्या शाखा के तत्वाधान में एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान की अध्यक्षता प्रोफेसर पी. के. स्टालिन, निदेशक शिक्षा विद्या शाखा एवं बतौर मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता प्रोफेसर श्री शिव मोहन सिंह, पूर्व कुलपति, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, कार्यक्रम के विषय प्रवर्तन प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुरेंद्र कुमार एवं का संचालन श्री परविंद कुमार वर्मा ने किया। कार्यक्रम में शिक्षा विद्या शाखा के समस्त शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

विद्यार्थियों को आचरण का भी ज्ञान दे शिक्षक– प्रोफेसर सिंह

प्रोफेसर श्री शिव मोहन सिंह

मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता प्रोफेसर श्री शिव मोहन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज शिक्षा में ज्ञान के साथ–साथ आदर्श की आवश्यकता है आचार्य किताबी ज्ञान के साथ–साथ विद्यार्थियों को आचरण का भी ज्ञान दें, जिसके दम पर विद्यार्थी अपने ज्ञान का उपयोग देश व समाज के सकारात्मक विकास में प्रयोग करें। किताबी ज्ञान अधिक हो जाने से आदर्श का ज्ञान संभव हो पाएगा। इसलिए हमें विद्यार्थियों को निरंतर परिवर्तन के दौर से गुजरते हुए भी अनुभव कराने का प्रयास करना चाहिए कि आपका जीवन क्या केवल किताबी ज्ञान तक सीमित हो जाए या उस ज्ञान का समाज में उपयोग हो इसका भी ध्यान कराना चाहिए अपने अनुभव के माध्यम से प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज विश्वविद्यालयों की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है वहां प्रत्येक विद्यार्थी केवल ज्ञान प्राप्त करने और नौकरी के पीछे अपनी पूरी उम्र खफा देने में ज्यादा कार्यरत रहता है। कभी देश व समाज के बारे में सोचने या उसके लिए कुछ करने हेतु तत्पर दिखाई नहीं देता है। यह कमी क्यों है? यह बहुत ही चिंता एवं चिंतन का विषय है। इस पर हमें निरंतर सोचने की आवश्यकता है विश्वविद्यालय में अनुशासन मजबूत होना चाहिए विश्वविद्यालय अनुशासनहीन होते ही गर्त की ओर चला जाता है इसलिए हमें विश्वविद्यालय में अनुशासन केवल प्रशासन के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा प्रदान करने के लिए भी होना चाहिए। हमें अपने मेधा विद्यार्थियों को बनाने के लिए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें इस पर उन्हें निरंतर शोध करने हेतु प्रेरित करना चाहिए। प्राचीन ग्रंथों पर विवाद चल रहा है वह भारत में क्यों है। भारत में ही इस तरीके के विवाद क्यों उत्पन्न होते हैं। यह भी चिंतन का विषय है भारत इतना विशाल और भारत के लोगों में भावना इतनी प्रबल क्यों है, क्योंकि यहां भक्ति का भाव थे देश का प्रशासक सांस्कृतिक पुजारी है इसलिए राष्ट्र के प्रति समर्पित है वह प्रशासन को शिक्षा के माध्यम से उसके आदर्शों की ओर ध्यान दिलाने का जो प्रयास किए वह हम सभी के लिए अनुकरणीय है जो भारत देश पहले सोने की चिड़िया हुआ करता था वह अब कैसे आज गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा मार्ग की ओर अग्रसर है। इस पर हमें चिंतन करना चाहिए। जो धरती पहले शस्य श्यामला से पूर्ण थी आज 80 करोड़ लोगों को भोजन करा रही है यह कैसे संभव हो रहा है दोनों विरोधाभास को हमें समझने की आवश्यकता है पूरे विश्व में विविधता सबसे अधिक भारत में है। और भारत में अनेक ऐसे मेधा को जन्म दिया जो भारत को अनेक ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। हमें यह समझने की जरूरत है कि अयोध्या साकेत की नगरी स्वर्ग से धरा पर आ रही है जैसे भाव को आज हमारे प्रशासक पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रहे हैं। भारत को सशक्त कर रहे हैं ऐसे हमें अपने विद्यार्थियों में ज्ञान रोपित करने की आवश्यकता है आज हम विभिन्न जाति ,धर्म, समुदाय में बटते जा रहे हैं क्या कभी हम सोच पाते हैं कि हमारे पूर्वजों का रक्त एक था जो मातृभूमि से प्रेम करते थे हम मातृभूमि या राष्ट्र से प्रेम की भावना विद्यार्थियों में अगर भरे तो यह संभव है कि हमारा राष्ट्र उन्नति की ओर अग्रसर होगा। इसके लिए शिक्षक को भी पूरी तरीके से पुस्तक की ज्ञान से निकल कर, अपने आदर्शों के माध्यम से समाज में आना होगा। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा जगत से अवगत कराते हुए मजबूत करना होगा। सभी के समावेशी सहयोग से देश व राष्ट्र के लिए कुछ करने हेतु प्रेरित करना होगा समाज में प्रत्येक बच्चा राष्ट्र के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर दे, ऐसे आदेशों का बीजारोपण शिक्षकों के माध्यम से संभव है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना चाहिए और अपने निरंतर आदर्शों के माध्यम से शिक्षा व समाज के लिए कार्य करते रहना चाहिए। अंत में अपनी बात को समझाते हुए प्रो सिंह ने कहा कि घना अंधेरा दीपक को भेद नहीं सकता, लेकिन एक छोटी दीपक गहरे अंधेरे को भेद सकती है इसी भावना से शिक्षकों अपने दायित्व और कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने अपने पुणे भ्रमण के दौरान सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय पुणे का भ्रमण किया

उत्तर प्रदेश की मा0 श्री राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज दिनांक 01 फरवरी, 2023 को पुणे स्थित नैक से 'ए' श्रेणी प्राप्त सिम्बायोसिस अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के सात विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के डेलीगेशन के साथ प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा सभी के लिए सस्ती और सुलभ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा समाज में परिवर्तन लाने का एक महत्वपूर्ण घटक रहा है। सही शिक्षा और प्रोत्साहन से हमारे युवा देश को शिखर पर पहुँचा सकते हैं। उन्होंने सिम्बायोसिस की उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्थाओं, शिक्षा में विविधताओं, इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ अन्य सामाजिक गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए अपेक्षा की कि उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालय भी इससे प्रेरणा लें। अपने सम्बोधन में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों की नैक ग्रेडिंग के लिए हो रहे प्रयासों और उसके परिणाम स्वरूप नैक की उच्च श्रेणी में दर्ज हो रहे यहाँ के विश्वविद्यालयों की चर्चा भी की। उन्होंने प्रदेश से पुणे भ्रमण के इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए कुलपतियों से अपेक्षा की कि वे सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, पुणे की व्यवस्थाओं का अवलोकन करें और श्रेष्ठ व्यवस्थाओं को अपने विश्वविद्यालय में लागू करने पर विचार करें।

मा0 श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने स्वयं भी विश्वविद्यालय के परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने डेलीगेशन के साथ विश्वविद्यालय पर निर्मित एक फिल्म का अवलोकन भी किया। मा0 श्री राज्यपाल जी के साथ प्रदेश से डेलीगेशन में गए कुलपतियों में प्रो0 संगीता शुक्ला, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, प्रो0 सीमा सिंह, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 निर्मला एस0 मौर्य, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, प्रो0 कल्पलता पाण्डेय, जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया, प्रो0 प्रतिभा गोयल, डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या, प्रो0 समशेर सिंह, हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर, प्रो0 जे0 पी0 पाण्डेय, मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय, गोरखपुर शामिल रहे।

कार्यक्रम में सिम्बायोसिस अंतर्राष्ट्रीय(सम) विश्वविद्यालय, पुणे के संस्थापक अध्यक्ष पद्मभूषण एवं पद्मश्री प्रो0 एस0बी0 मजूमदार, प्रो0 चांसलर डॉ0 विद्या मेरावडेकर तथा कुलपति डॉ0 रजनी गुप्ते ने राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं प्रदेश के डेलीगेशन का सम्मान किया।

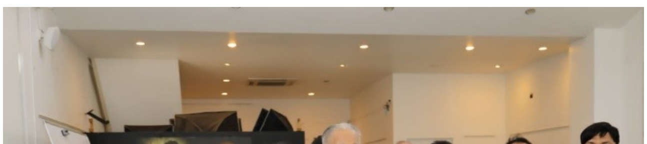

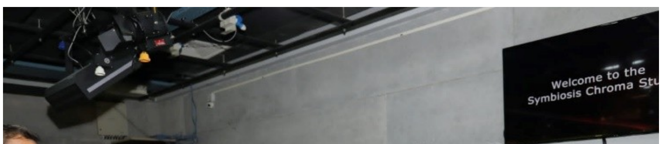

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

कर्नल विनय कुमार ने मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव का पदभार ग्रहण किया

उत्तर प्रदेश शासन ने श्री विनय कुमार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कुल सचिव नियुक्त किया है। गुरुवार को श्री विनय कुमार ने कुलसचिव का पदभार ग्रहण कर लिया। इससे पूर्व मध्य यूपी सब एरिया, लखनऊ में कार्यरत रहे श्री विनय कुमार इसी वर्ष 31 जनवरी को कर्नल रैंक से सेवानिवृत्त हुए। सेना में रहते हुए श्री कुमार ने जम्मू एवं कश्मीर, मणिपुर तथा यूएन मिशन में अपनी सेवाएं दी। इसके साथ ही मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन में निर्देशक के पद पर भी कार्य किया। श्री कुमार के कार्यभार ग्रहण करने पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी। अभी तक विश्वविद्यालय के कुलसचिव का अतिरिक्त चार्ज कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे के पास था।

नवनियुक्त कुलसचिव श्री कुमार ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू कराने की होगी। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा सभी को शिक्षा का समान अवसर प्रदान करती है। नौकरी में रहते हुए भी ज्ञानार्जन के लिए दूरस्थ शिक्षा माध्यम से पढ़ाई की जा सकती है।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज, बेंगलुरु द्वारा अनुदानित थैरेप्यूटिक योगा पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 03 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ रहे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर अविनाश चन्द्र पाण्डेय, निदेशक, आईयूएसी, नई दिल्ली ने की। संगोष्ठी के सारस्वत अतिथि एवं बीज वक्ता डॉ मिलिंद देवगोयंकर, वेस्ट वर्जीनिया, अमेरिका रहे।

प्रारंभ में संगोष्ठी के संयोजक एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में आयोजित संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया।

दूसरे सत्र में डॉ अभिषेक सचदेव ने कार्डियोलॉजी एवं योग पर डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने एंड्रोक्राइनोलॉजी एवं योग पर व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ तथा अयोध्या शोध संस्थान, लखनऊ के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुषमा शर्मा के निर्देशन में उठो अहिल्या नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। संगोष्ठी का समापन 4 फरवरी को अपराहन 2:30 बजे होगा। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस पी मणि त्रिपाठी, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश होंगे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर प्रबन्ध, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

योग गुरु महर्षि पतजंलि के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए माननीय अतिथिगण

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरते हुए मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ रहे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर अविनाश चन्द्र पाण्डेय, निदेशक, आईयूएसी, नई दिल्ली, संगोष्ठी के सारस्वत अतिथि एवं बीज वक्ता डॉ मिलिंद देवगोयंकर, वेस्ट वर्जीनिया, अमेरिका एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करते हुए कलाकार

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर अविनाश चन्द्र पाण्डेय जी एवं श्री अनिल कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

बीज वक्ता डॉ मिलिंद देवगोयंकर जी एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए श्री अमित कुमार सिंह तथा डॉ0 मीरा पाल

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत तथा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में आयोजित संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

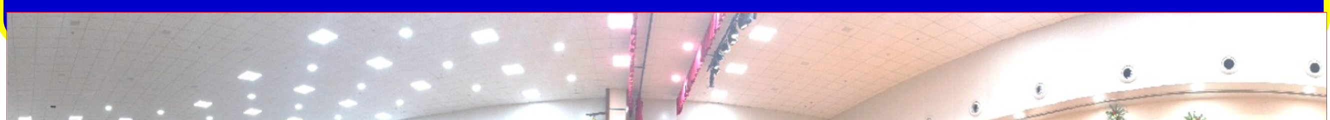

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

ऊं का उच्चारण करने से मन की स्थिरता बढ़ती है : डॉ मिलिंद देवगोयंकर

सारस्वत अतिथि एवं बीज वक्ता डॉ मिलिंद देवगोयंकर, निदेशक, आरोग्य धाम, चित्रकूट ने कहा कि योग का मस्तिष्क के ऊपर असर होता है। योग करने से मस्तिष्क का वॉल्यूम बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रतिपादित हो चुका है कि ऊं का उच्चारण करने से मन की स्थिरता बढ़ती है।

मुक्त चिन्तन

योग से ही आनंद की अनुभूति–अपर मुख्य सचिव

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने कहा कि हर समय जीवन में आनंद की अनुभूति हम सभी के जीवन का लक्ष्य है। जिसे योग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। योग को सर्वमान्य रूप से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक यात्रा को आज के विज्ञान की यात्रा के साथ जोड़ सकें, नए आयाम स्थापित कर सकें, इसके लिए हमें योग के अष्टांगिक मार्गों का अनुसरण करना चाहिए। श्री कुमार ने कहा कि प्राणायाम का प्रभाव मस्तिष्क पर पड़ता है। प्राणायाम शरीर और मन के बीच का सेतु है। मन को नियंत्रित करके योग के चरम बिंदु तक पहुंचा जा सकता है। मन को स्थिर करने, चित्त वृत्ति निरोध की यात्रा भी योग के द्वारा ही संभव है। हम राग द्वेष में उलझे हुए हैं। चेतन तत्व को नहीं देख पाते हैं क्योंकि प्रकाश पर आवरण पड़ा है। यम और नियम से ही हमारे विचारों में शुद्धता आती है।

प्रो0 अविनाश चन्द्र पाण्डेय जी को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

श्री अनिल कुमार जी को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

बीज वक्ता
डॉ मिलिंद देवगोयंकर जी
को
अंगवस्त्र, फल की टोकरी
एवं
स्मृति चिन्ह
भेंट कर उनका सम्मान करते
हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी
के
संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

राष्ट्रीय संगोष्ठी के
संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर
उनका सम्मान करते हुए
प्रो0 जे0पी0 यादव
एवं
श्री अमित कुमार सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

योग को व्यापक अर्थ में जीवन का अंग बनाएं : प्रोफेसर अविनाश चन्द्र पांडेय

अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अविनाश चन्द्र पांडेय, निदेशक, आईयूएसी, नई दिल्ली ने कहा कि योग विज्ञान महत्वपूर्ण धरोहर है। योग विज्ञान केंद्र की स्थापना प्रधानमंत्री ने की। योग को व्यापक अर्थ में जीवन का अंग बनाएं। आज यौगिक संस्थानों में प्रमाणिकीकरण की आवश्यकता है। योग के साधक आएं

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव
श्री विनय कुमार

सांस्कृतिक कार्यक्रम

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम

उठो अहिल्या

मंच पर

सोम – साकेत यादव

मारुत – उज्ज्वल जायसवाल

अमृीष – गोविन्द यादव

इन्द्र – विक्रान्त केसरवानी

ब्रह्मा – संजय यादव

विश्वामित्र – मनीश तिवारी

राम – कौस्तुभ पाण्डेय

लक्ष्मण – अर्नव राय

अहल्या (युवा) – शालिनी श्रीवास्तव

अहल्या (प्रौ0) – चेताली रॉय

सुलभा –वैशाली शुक्ला

घोषा –शैलजा उपाध्याय

मंच परे

प्रकाश – संतलाल

पार्श्वगायन : शाम्भवी अभिलाषा

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम

सांस्कृतिक कार्यक्रम

आज़ादी का अमृत महोत्सव
राष्ट्रीय संगोष्ठी सह–कार्यशाला 'थिरेप्यूटिक योग'
National Seminar cum Workshop on 'Therapeutic Yoga'
(फरवरी 3 - 4, 2023)
"योग कार्यशाला एवं 24 कुण्डीय गायत्री योग–यज्ञ चिकित्सा"
योग–यज्ञ चिकित्सा–गायत्री परिवार, हरिद्वार
प्रायोजक – अंतर विश्वविद्यालय योग विज्ञान केन्द्र, बेंगलूरु
प्रो0 सीमा सिंह
मा. कुलपति
उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त वि. वि. प्रयागराज
श्री अनिल कुमार (आई.ए.एस.)
अपर मुख्य सचिव, उ.प्र. शासन, लखनऊ
योग प्रशिक्षक
प्रो. (डॉ.) जी.एस. शुक्ल
निदेशक
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
संयोजक

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन

मुक्त चिन्तन News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन 04 फरवरी, 2023

मुविवि में निवेश योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में शनिवार दिनांक 04 फरवरी, 2023 को उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों, निवेश योजनाओं पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सीडी सिंह, पूर्व कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल विश्वविद्यालय, अमरकंटक रहे। उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव श्री राजाराम ने विषय प्रवर्तन किया तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया।

विचार गोष्ठी की रूपरेखा तथा संचालन नोडल अधिकारी डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त उद्योग, जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला मत्स्य अधिकारी, प्रधानाचार्य आई टी आई, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, निदेशक, शिक्षक कर्मचारी, छात्र–छात्रायें आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर प्रबन्ध, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मानीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

विशेष सचिव श्री राजाराम

समारोह में उत्तर प्रदेश शासन के विशेष सचिव श्री राजाराम ने कहा कि छात्रों शिक्षकों के सहयोग से ही आत्म निर्भर भारत एवं समावेशी विकास की तरफ प्रदेश को ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सरकार इसको लेकर कृत संकल्पित है। जन जन तक सरकार की योजनाएं पहुंचे। समवेत प्रयास से उत्तर प्रदेश को समृद्ध प्रदेश बनाया जा सकता है।

मुक्त चिन्तन

धार्मिक पर्यटन से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर – प्रोफेसर सिंह

प्रोफेसर सी.डी. सिंह

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सीडी सिंह, पूर्व कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राइबल विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। इस समय उत्तर प्रदेश में टूरिस्ट इंडस्ट्री सबसे बड़ी इंडस्ट्री के रूप में उभर रही है। सरकार ने इसी को ध्यान में रखकर पर्यटन नीति 2022 बनाई है। उत्तर प्रदेश में धार्मिक पर्यटन बढ़ेगा तो रोजगार के भी विशेष अवसर पैदा होंगे। उन्होंने प्रयागराज में संगम पर स्थित लेटे हुए हनुमान जी का उदाहरण देते हुए कहा कि देश के कोने कोने से लोग यहां दर्शन करने आते हैं। जिससे कई लोगों का रोजगार चलता है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि शिक्षा सशक्तिकरण का माध्यम है। ऐसा पाठ्यक्रम बनाना चाहिए जिसे पढ़कर शिक्षार्थी निकले तो उनको रोजगार मिल सके। हमें संवाद की भाषा को प्रमुखता देना होगा। इसके लिए क्षेत्रीय भाषा में भी प्रशिक्षण की योजना बनाई जाए। आज आईसीटी का महत्त्व बढ़ता जा रहा है। हम डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके हैं। इसलिए सावधानी अति आवश्यक है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में उद्योगों को जीवित किया जा रहा है। जिसमें लघु उद्योग, मध्यम उद्योग तथा भारी उद्योग शामिल हैं।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विकास में सहभागी बनने के लिए उत्तर प्रदेश में कई तरह की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार की इन योजनाओं का लाभ लाभान्वितों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 10–12 फरवरी तक होने वाली ग्लोबल समिट से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रदेश का विकास सभी होगा जब यहां पूंजी लगेगी। उत्तर प्रदेश में विकास स्पष्ट रुप से दिखाई दे रहा है। जिसका एक प्रमुख कारण यहां फ्लाईओवर हैं। जिससे आवागमन की सुविधा सुलभ हो गई है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि उद्योग लगने से प्रदेश खुशहाली की तरफ जाएगा। अभी भी 69 प्रतिशत भूमि कृषि भूमि है। उत्तर प्रदेश सकल उत्पादन का 20 प्रतिशत उत्पादन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे युवाओं के हाथ को काम मिलने वाला है, जब गांव के भूमि की पैमाईश ड्रोण से होगी। प्रदेश सरकार के पास युवाओं के लिए बहुत योजनाएं हैं। दिव्यांगों तथा महिलाओं के लिए भी अनेक योजनाएं हैं। जिनका लाभ उन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर प्रयास किए जाने चाहिए।

मुक्त चिन्तन

प्रो0 पी0 पी0 दुबे

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका का निर्वाह कर रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रमों को पूर्ण करके कई शिक्षार्थी रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री कौशल विकास पर आधारित है।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
04 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में थैरेप्यूटिक योग पर राष्ट्रीय गोष्ठी का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष में स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज, बेंगलुरु द्वारा अनुदानित थैरेप्यूटिक योग पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशाला का समापन शनिवार दिनांक 04 फरवरी, 2023 को हो गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस पी मणि त्रिपाठी, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश रहे तथा सारस्वत अतिथि डॉ योगी देवराज, कुलपति, अमेरिका योग विश्वविद्यालय, फ्लोरिडा, अमेरिका, बेस कैंप बेंगलुरु एवं विशिष्ट अतिथि श्री अनिल कुमार, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पाण्डेय ने की।

अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के संयोजक एवं स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने किया। दो दिवसीय संगोष्ठी के रिपोर्ट आयोजन सचिव प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ मीरा पाल तथा डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। प्रतिभागियों ने संगोष्ठी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इसके पूर्व योग मंडपम स्थल पर योगाभ्यास तथा 24 कुण्डीय यज्ञ चिकित्सा, एक्यूप्रेशर के माध्यम से चिकित्सा, इम्युनिटी एवं योग, जल संरक्षण, पोस्टर प्रेजेंटेशन आदि विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गये।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

संयुक्त रुप से संचालन करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर प्रबन्ध, डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी एवं एसोसिएट प्रोफेसर स्वसस्थ्य विज्ञान, डॉ0 मीरा पाल

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

दो दिवसीय संगोष्ठी के रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आयोजन सचिव प्रोफेसर जे. पी. यादव

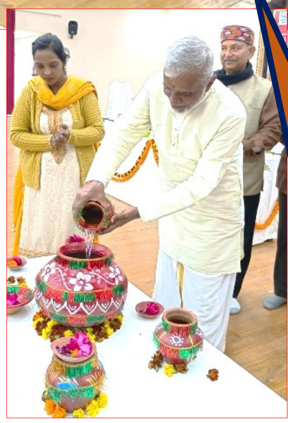

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरते हुए मुख्य अतिथि प्रो. एस. पी. मणि त्रिपाठी, सारस्वत अतिथि डॉ योगी देवराज, विशिष्ट अतिथि श्री अनिल कुमार, कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर के. बी. पाण्डय एवं प्रो0 जी.एस. शुक्ल

प्रो0 के.बी. पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

प्रो. एस. पी. मणि त्रिपाठी जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं प्रो0 जे0पी0 यादव

योगी देवराज जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ0 मीरा पाल

श्री अनिल कुमार जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आयोजन समिति के सदस्यगण

अपने–अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागीगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

डॉ योगी देवराज

सारस्वत अतिथि डॉ योगी देवराज, कुलपति, अमेरिका योग विश्वविद्यालय, फ्लोरिडा, अमेरिका, बेस कैंप बेंगलुरु

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

योग के अष्टांगिक मार्गों का अनुसरण करना चाहिए : अनिल कुमार

श्री अनिल कुमार

श्री अनिल कुमार, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ ने कहा कि हर समय जीवन में आनंद की अनुभूति हम सभी के जीवन का लक्ष्य है। जिसे योग के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। योग को सर्वमान्य रूप से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक यात्रा को आज के विज्ञान की यात्रा के साथ जोड़ सकें, नए आयाम स्थापित कर सकें, इसके लिए हमें योग के अष्टांगिक मार्गों का अनुसरण करना चाहिए।

मुक्त चिन्तन

ज्ञान की शाश्वत परम्परा योग का महत्वपूर्ण अंग– प्रोफेसर त्रिपाठी

प्रोफेसर एस. पी. मणि त्रिपाठी

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस. पी. मणि त्रिपाठी, कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश ने कहा कि ज्ञान की शाश्वत परम्परा योग का महत्वपूर्ण अंग है। योग के माध्यम से हम अपने परिवेश, प्रवृत्ति और प्रकृति से जुड़ते हैं। योग से संयोग बनता है। उन्होंने कहा कि शरीर में सबसे महत्वपूर्ण चित्त है। चित्त वृत्तियों को नियंत्रण में करने का काम योग कर सकता है। योग से मन में विकार नहीं आएगा और तन में विकृति नहीं आएगी। प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि योग की बहुत महत्ता है। व्याधियों का योग के माध्यम से निर्मूलन कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार के अतिरिक्त सूर्य को जल देने से चमत्कारी प्रभाव दिखाई पड़ता है। उन्होंने कहा कि जीवन का हिस्सा है योग। पतंजलि ने योग को सर्व सुलभ बनाया। योग बहुआयामी है। योग के माध्यम से पंचतत्व के संपर्क में रहते हैं। योग के माध्यम से ब्लड प्रेशर, तनाव, थकान का उपचार किया जा रहा है। योग से तन और मन दोनों स्वस्थ हो जाते हैं। प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा कि साधक दृष्टि से भी योग साधना करते हैं क्योंकि जो घाव आंख से दिखता है वह जल्दी भर जाता है। पुनः योग का आश्रय लेना चाहिए। हमारी पूरी जीवन चर्या योग से संचालित हो रही है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

योग को घर–घर तक ले जाया जाए : प्रोफेसर के. बी. पाण्डेय

अध्यक्षता करते हुए कानपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पाण्डेय ने कहा कि आज दुनिया योग को सम्मान दे रही है। उन्होंने संस्मरण के माध्यम से थैरेप्यूटिक योग का उदाहरण देते हुए बताया कि जर्मनी से पीठ दर्द का इलाज योग से कराने के लिए एक महिला भारत आती थी। इसी तरह योग की महत्ता का वर्णन करते हुए कहा कि नासा के एक वैज्ञानिक नौकरी से त्यागपत्र देकर योग विद्या में पारंगत हो गए। जिन्हें कुछ वर्ष पूर्व कानपुर विश्वविद्यालय ने मानद उपाधि से अलंकृत किया। प्रोफेसर पांडे ने कहा कि हर शिक्षण संस्थान में एक कालखंड योग का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि योग को घर–घर तक ले जाया जाए। योग प्रशिक्षक के लिए युवाओं की फौज तैयार की जाए। सरकार को भी इस तरफ ध्यान देना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

राष्ट्रगान

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के उपरान्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं आयोजन समिति के सदस्यगण

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

शिष्टाचार भेंट

उत्तर प्रदेश शासन ने श्री विनय कुमार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया है। गुरुवार दिनांक 02 फरवरी,

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार

नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए पूर्व कुलसचिव प्रो0 पी0 पी0 दुबे

नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

06 फरवरी, 2023

दिनांक 06 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, निदेशक, रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, समस्त प्रोफेसर, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया एवं इनके पूर्व तक कुलसचिव का अतिरिक्त कार्य सफलतापूर्वक सम्भाल रहे कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

बैठक के सम्बन्ध में बताते हुए पूर्व कुलसचिव एवं निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, प्रो0 पी0पी0 दुबे तथा बैठक में उपस्थित समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, निदेशक, रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, समस्त प्रोफेसर, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, कुलसचिव एवं अन्य ।

नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार एवं इनके पूर्व तक कुलसचिव का अतिरिक्त कार्य सफलतापूर्वक सम्भाल रहे कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति जी एवं उपस्थित समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक/प्रभारी निदेशक, निदेशक, रिसर्च एण्ड डेवलपमेन्ट, समस्त प्रोफेसर, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी, कुलसचिव एवं अन्य ।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 08 फरवरी, 2023

ओपेन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग/ऑनलाइन कार्यक्रमों को लान्च करने के सम्बन्ध में प्रस्तुतीकरण

Teamlease Edtech, India कम्पनी द्वारा विश्वविद्यालय में शून्य निवेश माडल के साथ ओपेन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग/ऑनलाइन कार्यक्रमों को लान्च करने, चलाने और प्रतिबंधित करने के सम्बन्ध में दिनांक 08 फरवरी, 2023 को प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

ओपेन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग/ऑनलाइन कार्यक्रमों को लान्च करने, चलाने और प्रतिबंधित करने के सम्बन्ध Teamlease Edtech, India कम्पनी की ओर से गीतिका एवं विकास शर्मा ने प्रस्तुतीकरण दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, निदेशक, रिर्सच एण्ड डेवलपमेन्ट, परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव उपस्थित रहे।

प्रस्तुतीकरण करते हुए गीतिका एवं विकास शर्मा

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन — 08 फरवरी, 2023

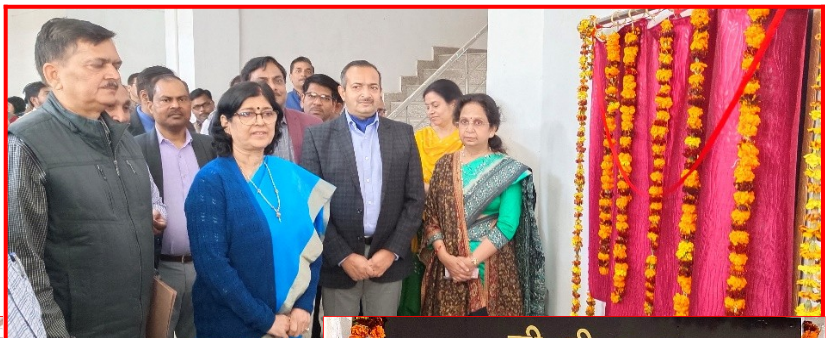

दिनांक 8 फरवरी 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा विश्वविद्यालय के गंगा परिसर स्थित नवनिर्मित सी. वी. रमन मूल्यांकन व डेटा प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा पुरुषोत्तम दास टंडन जी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। परीक्षा विभाग की महिला कर्मियों ने विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन किया।

कार्यक्रम में माननीया कुलपति महोदया ने प्रसंस्करण केंद्र के निर्माण कार्य को संपन्न कराने वाले विश्वविद्यालय के बढ़ाई शिव शंकर विश्वकर्मा को सम्मानित भी किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में परीक्षा विभाग के श्री परमानंद उपाध्याय, ईश्वर नाथ विश्वकर्मा, ज्योर्तिमय भट्टाचार्य, श्री अभिमन्यु कुमार, रमन आदि ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन सत्यबीर राम त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोग्रामर आई.सी.टी. सेल, श्रीमती सीमा सिंह ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

डाटा प्रसंस्करण केन्द्र का उद्घाटन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

डाटा प्रसंस्करण केन्द्र का अवलोकन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए सत्यवीर राम त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत करती हुई विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए परीक्षा नियंत्रक डी. पी. सिंह

मुक्त चिन्तन

08 फरवरी, 2023

कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हूए परीक्षा विभाग के ओ.एस.डी डॉ0 उपेन्द्र तिवारी

वित्त अधिकारी श्री एस. बी. तोमर जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हूए परीक्षा विभाग के ओ.एस.डी डॉ0 संजय सिंह

ग्लोबल इन्फोकाम लिमिटेड, गौतमबुद्ध नगर एवं अखिल मानस समिति, प्रयागराज के सदस्यों को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने इस केंद्र की आवश्यकता और अनिवार्यता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए तथा इसके निर्माण में सहयोग करने वाले व्यक्तियों, संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

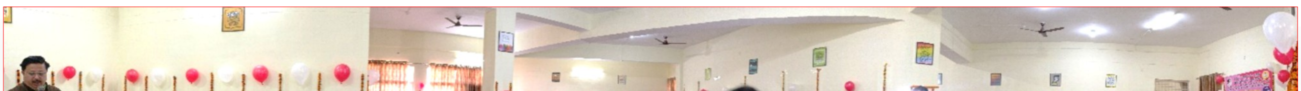

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए परीक्षा विभाग के श्री परमानंद उपाध्याय, ईश्वर नाथ विश्वकर्मा, ज्योर्तिमय भट्टाचार्य, श्री अभिमन्यु कुमार, रमन

श्री एस. बी. तोमर जी

वित्त अधिकारी श्री एस.बी. तोमर जी ने अपने उद्बोधन में सभी कार्यों में यथासंभव सहयोग करने तथा शीघ्र ही प्रसंस्करण केंद्र में एक वाटर कूलर लगाए जाने की घोषणा की।

श्री विनय कुमार जी

नवनियुक्त कुलसचिव श्री विनय कुमार जी ने भी सहयोग करने हेतु सभी को आश्वस्त किया। कुलसचिव ने यह भी बताया कि वह बिल्कुल अलग कार्यक्षेत्र से विश्वविद्यालय में आए हैं लेकिन उन्हें यहां भरपूर सहयोग मिल रहा है।

विश्वविद्यालय के बढ़ई शिव शंकर विश्वकर्मा को सम्मानित करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

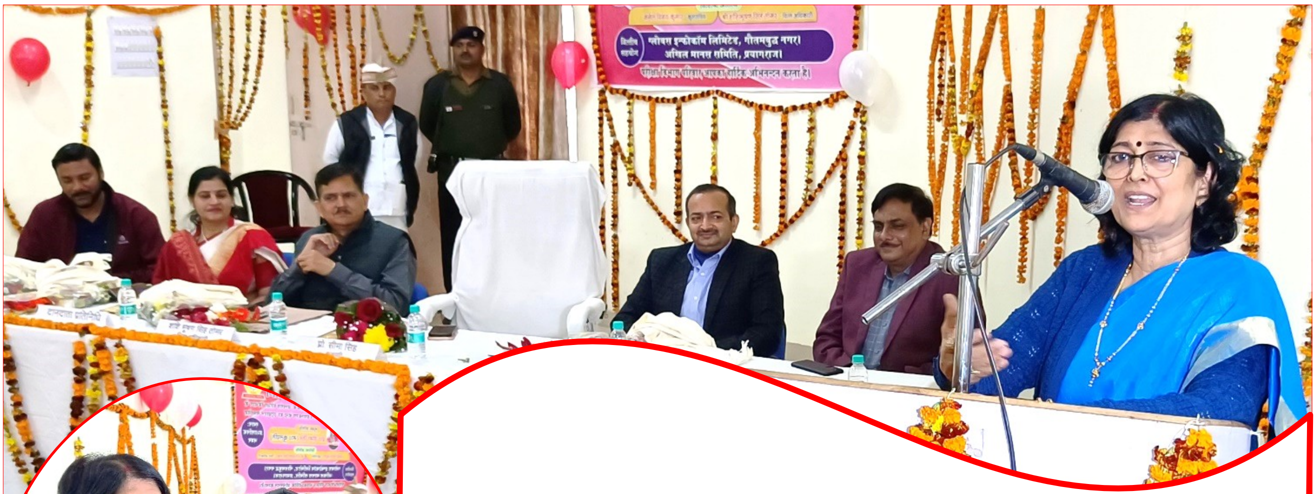

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने विश्वविद्यालय में मूल्यांकन व डाटा प्रसंस्करण केंद्र के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने इस कार्य में वित्तीय सहयोग प्रदान करने वालों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में संपन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम के संबंध में भी कुलपति महोदय ने प्रशंसा की तथा उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सभी विभागों में होना चाहिए।

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई श्रीमती सीमा सिंह

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

09 फरवरी, 2023

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

कुलपति ने किया सत्र जनवरी 23 के प्रवेश का शुभारंभ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022–2023 का विमोचन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए परविन्द्र वर्मा

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए सहायक प्रवेश प्रभारी डॉ0 मनोज कुमार बलवन्त

परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रवेश विभाग के कर्मचारी राकेश कुमार श्रीवास्तव

प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सर्वेश कुमार यादव

प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव

प्रवेश विवरणिका का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयको को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय के प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, झाँसी, अयोध्या, बरेली, नोएडा, कानपुर, आजमगढ़ एवं मेरठ के क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयको को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव तथा सहायक प्रवेश प्रभारी डॉ0 मनोज कुमार बलवन्त, कार्यक्रम का सचालन कर रहे श्री परविन्द्र कुमार वर्मा, तकनीकी अधिकारी श्री धरज रावत एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव तथा कुलसचिव श्री विनय कुमार जी

*कुलसचिव
श्री विनय कुमार जी
एवं
परीक्षा नियंत्रक
श्री डी0 पी0 सिंह जी
को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर
उनका सम्मान करते हुए
प्रवेश प्रभारी
डॉ0 ज्ञान प्रकाश यादव*

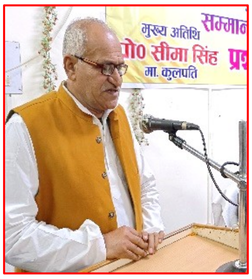

अपने–अपने विचार व्यक्त करते हुए विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण एवं क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक

अपने विचार व्यक्त करते हुए परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह जी

अपने विचार व्यक्त करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

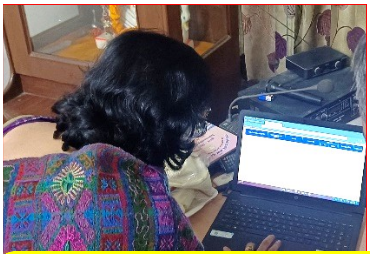

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ करती हुई तथा प्रथम प्रवेश लेने वाले छात्र श्री धीरज रावत को बधाई देती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है : कुलपति

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सहायक प्रवेश प्रभारी डॉ0 मनोज बलवन्त

राष्ट्रगान

ग्रुपफोटोग्राफी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के सौजन्य से शुक्रवार दिनांक 10 फरवरी, 2023 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता तथा शोध पीठ के सह निदेशक डॉ सत्यपाल तिवारी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद व विश्व बंधुत्व और समाज के प्रति उनके दृष्टिकोण पर विचार व्यक्त किए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी एक महान त्यागी पुरुष थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षक कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी जी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के उपनिदेशक डॉ संजय कुमार सिंह ने कहा कि पंडित जी एक महान सामाजिक चिंतक थे। अंत्योदय की विचारधारा के द्वारा विश्व बंधुत्व की भावना तथा समता ममता समरसता के द्वारा पूरे विश्व को एक कड़ी में एक विचारधारा में एक मानव मूल्य से ओतप्रोत समाज के निर्माण की अवधारणा को विकसित करने का प्रयास पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने किया।

मुक्त चिन्तन 10 फरवरी, 2023

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी जी ने कहा कि भारत के नवनिर्माण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अद्वितीय योगदान है। उन्होंने न केवल राजनीति नेतृत्व ही नहीं सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भारत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने का प्रयास किया। उन्होंने जो एकात्म मानववाद का विचार विश्व के सामने प्रस्तुत किया वास्तव में सबसे अनोखा और अनूठा है। वर्तमान समय में एकात्म मानववाद ही विश्व में एक ऐसा विचार है जो संपूर्ण प्राणियों के कल्याण और उत्थान के बारे में चिंतन करता है। एकात्म मानववाद आज सबसे ज्यादा ग्राह और सुव्यवस्थित विचार है। आज संपूर्ण विश्व मानवता के लिए, उसके उन्नयन के लिए मानवीय मूल्यों की स्थापना के लिए संर्धषरत है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने यह विचार बहुत पहले ही दिया था। उन्हें न केवल मनुष्य की चिंता है अपितु चाराचर की चिंता उनके विचारों में दिखाई पड़ती है

मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनोद गुप्ता को मिला संस्कृत संस्थान का सम्मान

उत्तर प्रदेश संस्कृत–संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रो. विनोद कुमार गुप्त, प्रोफेसर, संस्कृत, मानविकी विद्या शाखा, उ० प्र० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को उनकी पुस्तक 'उत्तराखंड : संस्कृत वाङ्.मय विमर्श' के लिए विविध पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। पुस्तक

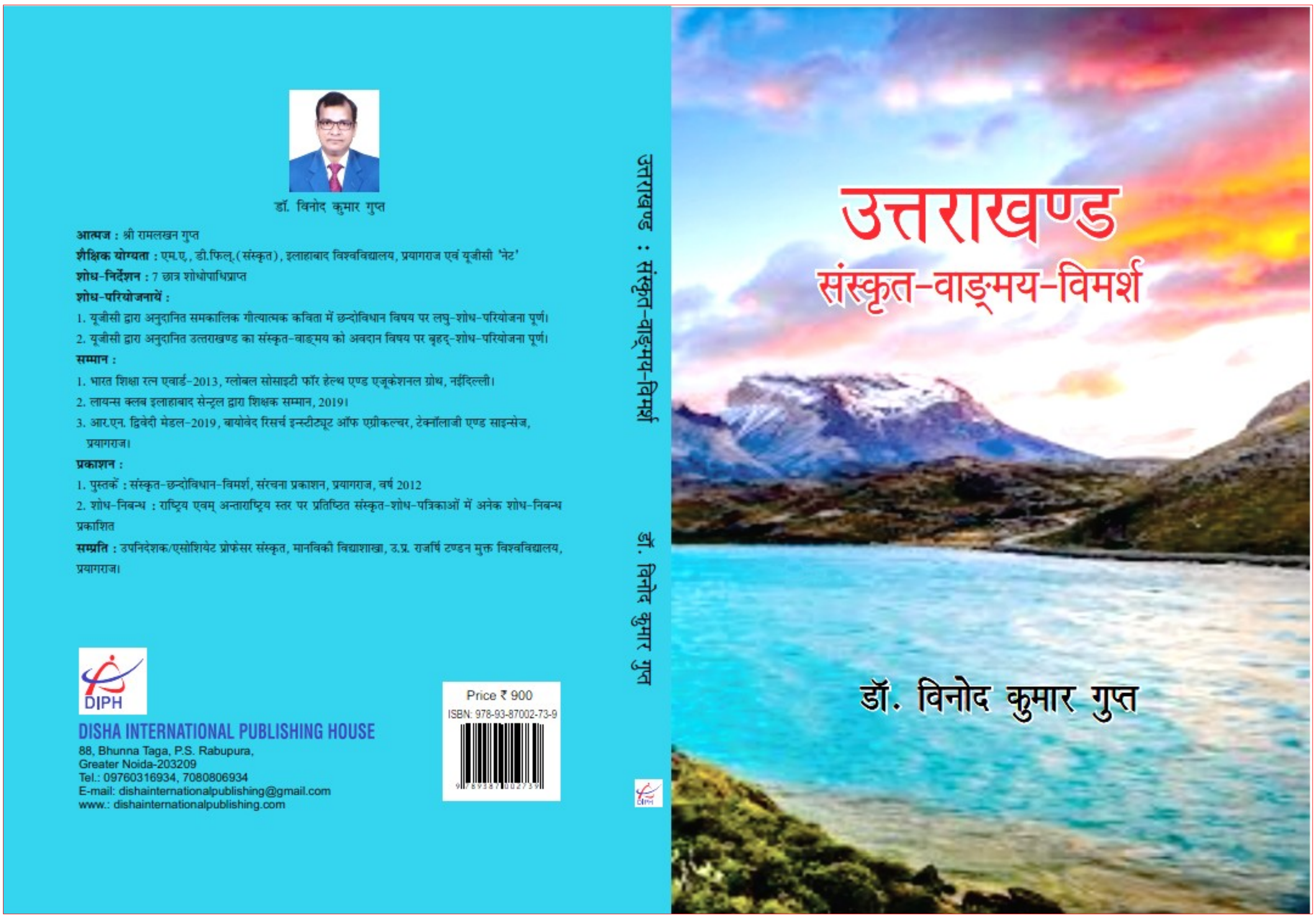

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पुण्यतिथि पर क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

''मैं राजनीति में राजनीति के लिए नहीं राजनीति में संस्कृति का प्रतिनिधि हूँ'' ऐसा भाव रखने वाले राजनीतिक शुचिता के प्रतिमान माँ भारती को संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पुण्यतिथि पर उन्हें हम सभी का श्रद्धावनत नमन है। ऐसे कालखंड में जब व्यक्तिगत स्वार्थलिप्सा राजनीति पर हावी हो रही हो इस महापुरुष के समर्पण की पराकाष्ठा को बारंबार नमन। उक्त बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डा. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र अयोध्या पर कही।

इस अवसर पर भाजपा के अवध क्षेत्र के विदेश संपर्क विभाग संयोजक इंजीनियर रवि तिवारी ने कहा कि राजनीति के अनेकानेक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता न करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति में शुचिता के जो आदर्श मानदंड स्थापित किए हैं वह वर्तमान परिदृश्य में संपूर्ण विश्व में मानवता की सेवा के लिए आवश्यक प्रतिमान हैं। आज भारत की सरकार सुशासन के मार्ग पर अंत्योदय संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है, जो पंडित दीनदयाल जी के एकात्म मानव दर्शन से प्रेरित है । आज सारा जगत देख रहा है कि किस प्रकार भारत मानव सेवा को केंद्र में रखकर सारी दुनिया के लिए नेतृत्व के मार्ग पर अग्रसर है। भारत माता को पुनः विश्वगुरु बनाना पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय ट्रस्ट समन्वय विभाग के संयोजक प्रवीण सिंह एवं क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र के शिक्षार्थी तथा महाविद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के एकात्म मानववाद में जागरूकता पाठ्यक्रम कार्यक्रम पूर्ण कर चुके शिक्षार्थी श्री रवि तिवारी एवं श्री प्रवीण कुमार सिंह को अयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डा. शशि भूषण राम त्रिपाठी द्वारा विश्वविद्यालय का एकात्म मानववाद में जागरूकता कार्यक्रम का प्रमाण पत्र दिया गया।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

जनसंघ संस्थापक को पुण्यतिथि पर विभिन्न संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

फैजाबाद (अयोध्या)।

एकात्म मानववाद के प्रणेता जनसंघ के संस्थापक प. दीनदयाल उपाध्याय की 55 वीं पुण्य तिथि शनिवार को हिन्दूवादी संगठनों की ओर से मनायी गयी। उनके व्यक्तित्व कृतित्व को याद करने के साथ सभी ने उनके चित्र पर माल्यार्पण किया।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अयोध्या के क्षेत्रीय निदेशक डा.शशि भूषण राम त्रिपाठी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कहा कि स्व. दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि वह राजनीति में राजनीति के लिए नहीं राजनीति में संस्कृति के प्रतिनिधि हैं। ऐसे महापुरुष के समर्पण की पराकाष्ठा को बारंबार नमन।

भाजपा अवध क्षेत्र के विदेश संपर्क विभाग संयोजक इं. रवि तिवारी ने कहा कि राजनीति के अनेकानेक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता न करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति में शुचिता के जो आदर्श मानदंड स्थापित किए हैं वह वर्तमान परिदृश्य में सारे विश्व में मानवता की सेवा के लिए आवश्यक प्रतिमान हैं। भारत माँ को पुनः विश्वगुरु बनाना पंडित दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि देते लोग

केंद्र सरकार गठित करे जांच आयोग

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अधिवक्ता मनीष पांडेय ने एकात्म मानववाद के प्रणेता को याद करते हुए उनकी मौत का रहस्य सामने लाने केलिए केन्द्र सरकार से जाँच आयोग गठित किये जाने की माँग की। नगर निगम पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी ने नमन किया। श्री पांडेय ने कहा कि एकात्म मानववाद एक वर्गहीन, जातिविहीन तथा संघर्ष मुक्त सामाजिक व्यवस्था है, जो साम्यवाद से अलग है। वह मानते थे कि जो व्यक्ति या वंश, पंथ, भारतीय संस्कृति के प्रति अपनी निष्ठा रखेगा वही सच्चे अर्थों में एकात्म मानववाद का सच्चा अनुयायी होगा। भाजपा सरकार से यह मांग की कि संदिग्ध परिस्थितियों में की गई उनकी हत्या का रहस्य उजागर होना चाहिए। इसके लिए जितनी जल्दी हो सके एक जांच आयोग का गठन किया जाये।

हिन्दुस्तान
1936
शुक्रवार
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
पांच प्रदेश • 21 संस्करण
हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com
अपने युवा

पढ़ाई के साथ थोड़ा योग और ध्यान देगा आत्मविश्वास

बोर्ड सक्सेस मंत्र

प्रयागराज, संवाददाता। सीबीएसई, सीआईएससीई और यूपी बोर्ड के छात्र-छात्राओं ने अच्छे नंबर हासिल करने के लिए दिन-रात एक कर दिया है। घंटों पढ़ाई कर रहे हैं ताकि लक्ष्य की ओर मजबूती के साथ कदम बढ़ा सकें लेकिन इस तनाव और दबाव के माहौल में अक्सर बच्चों पर एकाग्रता की कमी होने लगती है। एक बात याद रखें कि पढ़ाई के साथ थोड़ा योग और मेडिटेशन (ध्यान) बहुत मददगार होगा। मन को एकाग्र करें और याद रखें की घबराने से कुछ हासिल नहीं होगा।

- योग गुरुओं और लाइफ कोच की राय
- बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए मेडिटेशन है मददगार

बोर्ड परीक्षार्थी क्या करें

- पढ़ाई के दौरान कुछ अच्छा खाएं या आंख बंद करके थोड़ी देर लेटें या थोड़ा टहल लें।
- कमरे में अपनी पढ़ाई का कोना साफ-सुथरा और व्यस्थित रखें।
- पूरे सिलेबस को एक बार अवश्य पढ़ें यानी कोई टॉपिक ऐसा न रह जाए जिसे पढ़ा न हो।
- कठिन चीजों को पढ़ने के बाद उसे किसी परिचित उदाहरण के साथ जोड़ें।

पांच मिनट आंख बंद कर लें गहरी सांस : प्रो. अतुल

इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के प्राचार्य एवं मनोवैज्ञानिक प्रो. अतुल कुमार सिंह बोर्ड परीक्षार्थियों को सलाह दी है कि पढ़ाई के दौरान हर एक घंटे पर पांच मिनट के लिए आंख बंद कर गहरी सांस लें और धीरे-धीरे छोड़ें। शाम के समय सूर्यास्त के बाद 10-15 मिनट पढ़ाई न करें। इस दौरान ईश्वर का ध्यान करें, दीया जलाएं। प्राणायाम का अभ्यास करें और फिर पढ़ने बैठ जाएं। सिलेबस, किताबों या प्रश्नों को देखकर घबराएं नहीं। शांत मन से पढ़ाई करें और यदि कोई टॉपिक समझ न आएं तो शिक्षकों से पूछने में झिझकें नहीं।

मनोविकारों को रोकने में ध्यान एक वरदानः प्रो. शुक्ल

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो. जीएस शुक्ल ने कहते हैं कि परीक्षा के दौरान होने वाले विभिन्न मनोविकारों को रोकने में ध्यान एक वरदान है। ध्यान से शारीरिक व मानसिक तनाव कम होता है। तनाव से उबरने में ध्यान बहुत लाभदायक है। ध्यान से तंत्रिका रसायनों का मस्तिष्क में उचित मात्रा में निर्माण होता है। जिससे मस्तिष्क स्फूर्ति एवं प्रसन्नता का अनुभव करता है, साथ ही विषय पर केंद्रित होने में असाधारण रूप से सहायक होता है। ध्यान से अच्छी नींद एवं स्मृति में वृद्धि होती है।

योग से कर सकते हैं ध्यान केंद्रितः डॉ. गौरव

मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ. गौरव संकल्प कहते हैं कि परीक्षा में सफल होने के लिए एवं अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए मानसिक एवं शारीरिक संतुलन की बहुत आवश्यकता होती है। योग से हम परीक्षा के समय का तनाव एवं चिंता को कम कर सकते हैं। योग एवं प्राणायाम से हम वर्तमान क्षण पर अपने ध्यान को केंद्रित कर सकते है जिससे कि हमारी एकाग्रता बढ़ती है और हम अपना मन विषय पर केंद्रित कर अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम

संवाददाता

अयोध्या , मैं राजनीति में राजनीति के लिए नहीं राजनीति में संस्कृति का प्रतिनिधि हूं ऐसा भाव रखने वाले राजनीतिक शुचिता के प्रतिमान माँ भारती को संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के पुण्यतिथि पर उन्हें हम सभी का श्रद्धावनत नमन है ऐसे कालखंड में जब व्यक्तिगत स्वार्थलिप्सा राजनीति पर हावी हो रही हो इस महापुरुष के समर्पण की पराकाष्ठा को बारंबार नमन उक्त बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अयोध्या के क्षेत्रीय निदेशक डा. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र पर कही इस अवसर पर भाजपा के अवध क्षेत्र के विदेश संपर्क विभाग संयोजक इंजीनियर रवि तिवारी ने कहा कि राजनीति के अनेकानेक विपरीत परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता न करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने राजनीति में शुचिता के जो आदर्श मानदंड स्थापित किए हैं वह वर्तमान परिदृश्य में संपूर्ण विश्व में मानवता की सेवा के लिए आवश्यक प्रतिमान हैं आज भारत की सरकार सुशासन के मार्ग पर अंत्योदय संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है, जो पंडित दीनदयाल जी के एकात्म मानव दर्शन से प्रेरित है आज सारा जगत देख रहा है कि किस प्रकार भारत मानव सेवा को केंद्र में रखकर सारी दुनिया के लिए नेतृत्व के मार्ग पर अग्रसर है भारत माता को पुनः विश्वगुरु बनाना पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को सच्ची श्रद्धांजलि है कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय ट्रस्ट समन्वय विभाग के संयोजक प्रवीण सिंह उपस्थित रहे इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र के शिक्षार्थी एवं महाविद्यालय की शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

website-www.lokdastak.com

अमर उजाला

मुक्त विवि में सत्र जनवरी 2023 के लिए प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जनवरी 2023 के लिए ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया और सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश लेने वाले केंद्र समन्वयकों को सम्मानित किया।

कुलपति ने सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित कार्यक्रम 'प्रशस्ति 2022' की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव-गांव तक पहुंचना है। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। संवाद

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
RNI No.-UPHIN/2020/82181
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 66 प्रयागराज, शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

कुलपति ने किया सत्र जनवरी 23 के प्रवेश का शुभारंभ

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

मुक्त विवि में जनवरी सत्र के प्रवेश प्रारंभ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में जनवरी 2023 सत्र में दाखिले का आगाज गुरुवार को हो गया है। जनवरी सत्र में डिप्लोमा, सार्टिफिकेट और जागरूकता पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश होगा। दाखिले की अंतिम तिथि 31 मार्च तय की गई है। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने गुरुवार को प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में सर्वाधिक प्रवेश के लिए क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले

दैनिक जागरण

मुक्त विवि में जनवरी 2023 सत्र का शुभारंभ

जासं, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश को लेकर क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का आनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। स्वागत प्रवेश प्रभारी डा. ज्ञान

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज, शुक्रवार 10 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन ... 2022-2023 का विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय ... पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में

अमर उजाला

amarujala.com

प्रयागराज | शुक्रवार | 10 फरवरी 2023

SELECT

न्यूज WINDOW

मुक्त विवि में सत्र जनवरी 2023 के लिए प्रवेश शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र जनवरी 2023 के लिए ऑनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू हो गई। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया और सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश लेने वाले केंद्र समन्वयकों को सम्मानित किया। कुलपति ने सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित कार्यक्रम 'प्रशस्ति 2022' की अध्यक्षता करते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक :336
पृष्ठ : 6
मूल्य : 5.0
शुक्रवार 10 फरवरी 2023
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
www.pratahkalexpress.in
प्रातःकाल एक्सप्रेस
सच से रुबरु
प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

कुलपति ने किया सत्र जनवरी 23 के प्रवेश का शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022–2023 का विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के लोकमान्य विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति

---

www.facebook.com/rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www.rashtriyasahara.com
राष्ट्रीय सहारा
लखनऊ
शुक्रवार • 10 फरवरी • 2023
पृष्ठ 14, मूल्य ₹ 5.00

कुलपति ने किया नये सत्र के प्रवेश का शुभारंभ

प्रयागराज (एसएनबी)। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सत्र 2023 में आनलाइन प्रवेश का शुभारम्भ गुरुवार कुलपति सीमा सिंह ने कर दिया। साथ ही उन्होंने प्रवेश विवरणिका सत्र 22-23 का विमोचन भी किया। सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 09
अंक : 73
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शुक्रवार 10 फरवरी 2023
हिन्दी दैनिक
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com

मुविवि ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

कुलपति ने किया सत्र जनवरी 23 के प्रवेश का शुभारंभ

वॉइस ऑफ इलाहाबाद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार 10 फरवरी 2023

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया केंद्र समन्वयकों का सम्मान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे

ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया। कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रयागराज, शनिवार
11 फरवरी, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18
दैनिक जागरण
www.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित
खेलो इंडिया शीतकालीन खेल का शुभारंभ 12
बैसाखी के सहारे चले पंत 12

संस्कृत संस्थान के पुरस्कारों में प्रयागराज के विद्वानों का डंका

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ ने वर्ष 2021 का पुरस्कार घोषित कर दिया है। शुक्रवार शाम जारी सूची में प्रयागराज के छह विद्वानों को सम्मान के लिए चुना गया है। इनमें संस्कृत भाषा के रचनाकार प्रो. हरिदत्त शर्मा को संस्थान का सर्वोच्च पुरस्कार विश्वभारती दिया गया है। प्रो. रामकृष्ण पांडेय, डा. सुरेंद्र पाल सिंह, डा. विनोद कुमार गुप्ता, डा. रामजी मिश्र और डा. रामजी पांडेय भी सम्मान के लिए चुने गए हैं।

● वर्ष : 16
● अंक : 07
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शुक्रवार, 10 फरवरी 2023
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुक्त विवि कुलपति ने सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों को किया सम्मानित

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं एक हजार से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफ़ेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में गुरुवार को आयोजित प्रशस्ति 2022 की

कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 10 फरवरी, 2023

मुक्त विवि ने सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का किया सम्मान

● कुलपति प्रो सीमा सिंह ने किया सत्र जनवरी 2023 के प्रवेश का शुभारंभ

कार्यक्रम में बोलती कुलपति प्रो सीमा सिंह।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं एक हजार से अधिक

विवि के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक

प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 22 | अंक :101
लखनऊ | शुक्रवार , 10 फरवरी-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया।विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। श्री परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान ही कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

रीडर्स मैसेंजर
मुद्दों की बात राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (प्रयागराज संस्करण)
मूल्य ₹ 1/-
वर्ष 01 अंक 71

मुक्त विश्वविद्यालय ने किया सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का सम्मान

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं 1000 से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022-2023 का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों, अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रोफेसर विनोद गुप्ता को मिला संस्कृत संस्थान का सम्मान

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश संस्कृत - संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रो. विनोद कुमार गुप्त, प्रोफेसर, संस्कृत, मानविकी विद्या शाखा,उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को उनकी पुस्तक 'उत्तराखंड : संस्कृत वाड्.मय विमर्श' के लिए विविध पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। पुस्तक में उत्तराखण्ड से सम्बन्धित संस्कृत-साहित्यकारों के अवदान पर विस्तृत समीक्षात्मक चर्चा की गयी है । प्रोफेसर गुप्त की इस उपलब्धि पर मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने हर्ष व्यक्त किया है।

अमर उजाला
प्रयागराज
शनिवार, 11 फरवरी 2023

प्रो. हरिदत्त शर्मा को विश्व भारती,कामता प्रसाद को महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की ओर से वर्ष 2021 के पुरस्कारों की शुक्रवार को हुई घोषणा में प्रयागराज की झोली में छह सम्मान मिले हैं। एक पुरस्कार प्रतापगढ़ के भी खाते में आया है। इस बार संस्कृत संस्थान का सबसे प्रतिष्ठित पांच लाख रुपये के विश्व भारती पुरस्कार से प्रो. हरिदत्त शर्मा को नवाजा जाएगा।

विनोद कुमार

डॉ सुरेंद्र पाल

संस्कृत संस्थान की ओर से प्रतापगढ़ के प्रो. कामता प्रसाद त्रिपाठी पीयूष को महर्षि वाल्मीकि पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके तहत दो लाख रुपये की धनराशि प्रदान की जाएगी। इसी तरह प्रो. रामकृष्ण पांडेय परमहंस को 51 हजार रुपये का नामित व्यास पुरस्कार दिया जाएगा। इसी तरह चार विविध साहित्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इनमें डॉ. विनोद कुमार गुप्ता, डॉ. रामजी मिश्र, को 11 हजार रुपये का विविध साहित्य पुरस्कार और रामजी पांडेय को विविध शास्त्र पुरस्कार प्रदान

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

प्रो. विनोद को पुरस्कार की घोषणा पर हर्ष जताया

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा के प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान उनकी पुस्तक 'उत्तराखंड : संस्कृत वाड्.मय विमर्श' के लिए विविध पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा। पुस्तक में उत्तराखंड से सम्बन्धित संस्कृत-साहित्यकारों के अवदान पर विस्तृत समीक्षात्मक चर्चा की गयी है । प्रो.

दैनिक जागरण

पुरस्कार से बढ़ा हौसला : प्रो. विनोद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो. विनोद कुमार गुप्ता को उनकी पुस्तक 'उत्तराखंड : संस्कृत वांगमय विमर्श" के लिए विविध पुरस्कार के लिए चुना गया है। यमुनापार के बारा तहसील के गांव अमीलिया परिहार निवासी प्रो. विनोद कहते हैं कि यह पल मेरे जीवन का बेहद अहम है। इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। क्योंकि ये बड़ा पुरस्कार है। इससे हौसला

मुक्त विश्वविद्यालय के प्रो0 विनोद गुप्ता को मिला संस्कृत संस्थान का सम्मान

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश संस्कृत - संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रो. विनोद कुमार गुप्त, प्रोफेसर, संस्कृत, मानविकी विद्या शाखा,उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को उनकी पुस्तक 'उत्तराखंड : संस्कृत वाड्.मय विमर्श' के लिए विविध पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है। पुस्तक में उत्तराखण्ड से सम्बन्धित संस्कृत-साहित्यकारों के अवदान पर विस्तृत समीक्षात्मक चर्चा की गयी है । प्रोफेसर गुप्त की इस उपलब्धि पर मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने हर्ष व्यक्त किया है।

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की परीक्षाएं प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाएं मंगलवार दिनांक 14 फरवरी, 2023 से प्रदेश के 147 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कुलसचिव श्री विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह उनके साथ थे।

परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कि मंगलवार को प्रदेश के सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षाएं संपन्न हुई। पहले दिन प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं परास्नातक डिप्लोमा के 85 प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता पूर्ण नकल विहिन परीक्षा संपन्न कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम का गठन कर लिया गया है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

हिन्दी दैनिक
सहज स्वरूप
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित
वर्ष-02-अंक-158 प्रयागराज बुधवार 15 फरवरी 2023 विक्रम संवत 2079 प्रातः संस्करण पृष्ठ-8 मूल्य: 1/रुपया

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 16 फरवरी 2023 को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश ... समय अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र तथा सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को साथ में लाना आवश्यक है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड ... की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी तैयारी के लिए मुस्तैद है। वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने बताया कि 1200 पदों पर विभिन्न कंपनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पद शामिल हैं। विश्वविद्यालय में रोजगार मेला की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज,बुधवार,15 फरवरी 2023
प्रयागराज महानगर

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 16 को होगा वृहद रोजगार मेला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश की जानी मानी कंपनियां मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले में आ रही हैं। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को वृहद रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। रोजगार मेले में नौकरी प्राप्त करने के लिए अभी तक सैकड़ों युवाओं ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र तथा सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को साथ में लाना आवश्यक है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में कंपनी के प्रतिनिधि 16 फरवरी को प्रात: 10:00 बजे से नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेंगे। चयन प्रक्रिया के उपरांत कंपनी की तरफ से प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी तैयारी के लिए मुस्तैद है। वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने बताया कि 1200 पदों पर विभिन्न कंपनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पद शामिल हैं। विश्वविद्यालय में रोजगार मेला की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है।

अमर उजाला

मुक्त विश्वविद्यालय में रोजगार मेला कल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 16 फरवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के पर देश की जानी मानी कंपनियां मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित रोजगार मेले में आ रही हैं।

विवि के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। सैकड़ों युवाओं ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन कराया है। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र एवं सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र साथ लाने हैं।

रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जेपी यादव ने बताया कि 1200 पदों

विभिन्न कंपनियों में 1200 पदों पर होगी भर्ती

पर विभिन्न कंपनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पद शामिल हैं।

रोजगार मेला की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने के अनुसार रोजगार मेले में आने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की तैयारी भी की गई है। संवाद

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 13 अंक : 317, प्रयागराज, बुधवार 15 फरवरी 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...
इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज

मुक्त विवि में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला, 1200 पदों के लिए भर्ती

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। इसके लिए 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है।

उक्त जानकारी कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश की जानी मानी कम्पनियां मुक्त विवि में आयोजित वृहद रोजगार मेले में आ रही हैं। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को वृहद रोजगार मिलने की सम्भावना बढ़ गई है। रोजगार मेले में नौकरी प्राप्त करने के लिए अभी तक सैकड़ों युवाओं ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र तथा सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को साथ में लाना आवश्यक है।

कुलपति ने बताया कि रोजगार मेले में एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कम्पनी के प्रतिनिधि 16 फरवरी को प्रातः 10 बजे से नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेंगे। चयन प्रक्रिया के उपरांत कम्पनी की तरफ से प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाली भीड़ की सम्भावना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी तैयारी के लिए मुस्तैद है। रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने बताया कि 1200 पदों पर विभिन्न कम्पनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पद शामिल हैं। डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय में रोजगार मेला की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है।

मुक्त विवि की परीक्षाएँ प्रदेश के 147 केन्द्रों पर शुरू

इलाहाबाद एक्सप्रेस

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसम्बर 2022 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 147 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गई। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। कुलपति के निरीक्षण के दौरान कुलसचिव विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह भी उनके साथ थे। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कि मंगलवार को प्रदेश के सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षाएं सम्पन्न हुई। पहले दिन प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं परास्नातक डिप्लोमा के 85 प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता पूर्ण नकल विहिन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम का गठन कर लिया गया है। जिन्होंने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि परीक्षा के दौरान इस बार बच्चों को दूर-दूर बैठाया गया है। जिससे परीक्षा में पारदर्शिता बनी रहे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, बुधवार 15 फरवरी 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में वृहद रोजगार मेला 16 को

स्वतंत्र भारत व्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश की जानी मानी कंपनियां मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले में आ रही हैं। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को वृहद रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। रोजगार मेले में नौकरी प्राप्त करने के लिए अभी तक सैकड़ों युवाओं ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र तथा सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को साथ में लाना आवश्यक है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधि 16 फरवरी को प्रातः 10 बजे से नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेंगे। वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने बताया कि 1200 पदों पर विभिनन्‍ कंपनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लो... म... ए... स...

मुक्त विवि ने सर्वाधिक प्रवेश करने वाले केंद्र समन्वयकों का किया सम्मान

- कुलपति प्रो सीमा सिंह ने किया सत्र जनवरी 2023 के प्रवेश का शुभारंभ

कार्यक्रम में बोलती कुलपति प्रो सीमा सिंह।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में गुरुवार को प्रवेश सत्र जुलाई 2022 में हुए सर्वाधिक प्रवेश के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों प्रवेश अनुभाग के कर्मचारियों एवं एक हजार से अधिक छात्र संख्या वाले 25 अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को सम्मानित किया गया। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सत्र जनवरी 2023 का ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ करने की घोषणा की। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने प्रवेश विवरणिका सत्र 2022 2023 का विमोचन किया।

विवि के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित प्रशस्ति 2022 की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि विवि के रजत जयंती वर्ष पर सर्वाधिक संख्या में प्रवेश होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सीमित साधनों में हमें प्रदेश के गांव गांव तक पहुंचना है। यह काम हमारे क्षेत्रीय समन्वयक एवं अध्ययन केंद्रों के समन्वयक बहुत अच्छे ढंग से कर सकते हैं।

क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों अध्ययन केंद्र समन्वयकों एवं प्रवेश विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित करके उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेन्द्र प्रताप सिंह ने केंद्र समन्वयकों के प्रयास की सराहना की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने किया। परविंद्र कुमार वर्मा ने संचालन तथा डॉ मनोज कुमार बलवंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मानित होने वाले समन्वयकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ऑनलाइन प्रवेश का शुभारंभ किया। समारोह में विवि के निदेशक शिक्षक अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने दी।

विविध

अलग कार्यक्षेत्र से आने के बाद भी मिला पूरा सहयोग:कुल सचिव

- मूल्यांकन एवं डाटा प्रसंस्करण का लोकार्पण
- परीक्षा नियंत्रक ने केंद्र की आवश्यकता व अनिवार्यता पर व्यक्त किए विचार

हिन्द भास्कर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में आज नवनिर्मित सीवी रमन मूल्यांकन व डेटा प्रसंस्करण केंद्र का उद्घाटन माननीया कुलपति प्रो सीमा सिंह के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन तथा पुरुषोत्तम राजर्षि टंडन के चित्र पर माल्यार्पण से हुई।परीक्षा विभाग की महिला कर्मियों ने विश्वविद्यालय के कुल गीत का गायन किया। परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने इस केंद्र की आवश्यकता व अनिवार्यता के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए तथा इसके निर्माण में सहयोग करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओ का आभार व्यक्त किया। वित्त अधिकारी ने अपने उद्बोधन में सभी कार्यों में यथासंभव सहयोग करने तथा शीघ्र ही प्रसंस्करण केंद्र में एक वाटर कूलर लगाए जाने की घोषणा की। नव नियुक्त कुल सचिव ने भी सहयोग करने हेतु सभी को आश्वस्त किया। कुलसचिव ने यह भी बताया कि वह बिल्कुल अलग कार्यक्षेत्र से विश्वविद्यालय में आए हैं लेकिन उन्हें यहां भरपूर सहयोग मिल रहा है।कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय में मूल्यांकन व प्रसंस्करण केंद्र के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त की।उन्होंने इस कार्य में वित्तीय सहयोग प्रदान करने वालों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में संपन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संबंध में कुलपति महोदय ने प्रशंसा की तथा यह कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सभी विभागों में होनी चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में परीक्षा विभाग के श्री परमानंद उपाध्याय, ईश्वर नाथ विश्वकर्मा, ज्योतिर्मय भट्टाचार्य, अभिमन्यु कुमार आदि ने प्रतिभाग किया। कुलपति महोदया ने प्रसंस्करण केंद्र के निर्माण कार्य को संपन्न कराने वाले विश्वविद्यालय के बढ़ई शिव शंकर विश्वकर्मा को भी संपन्न सम्मानित किया।कार्यक्रम का संचालन सत्यवीर राम त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन सीमा सिंह, प्रोग्रामर ने किया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी निदेशक, अधिकारी गण प्रोफेसर तथा कर्मचारी गण उपस्थित रहे।वित्तीय सहयोग प्रदान करने वाली संस्थाओं के प्रतिनिधि शाहिद तथा मनीषा द्विवेदी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कुलपति महोदय ने अंग वस्त्र पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर इन लोगों को भी सम्मानित किया।

Me-Too

राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा एक मूलभूत जरूरत : प्रो.सीमा सिंह

प्रो0 सीमा सिंह
कुलपति,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज की पवित्र भूमि पर भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के नाम पर वर्ष 1999 में स्थापित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज उप्र का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है। यह विश्वविद्यालय उप्र जैसे विशाल जनसंख्या वाले राज्य में उच्च शिक्षा के प्रत्येक आकांक्षी तक गुणात्मक तथा रोजगारपरक उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने में निरन्तर अग्रसर एवं प्रयत्नशील है। तत्कालीन देश की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों में एक वैकल्पिक व नवाचारी शिक्षा व्यवस्था के रूप में भारत में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली का पदार्पण हुआ था, परन्तु वर्तमान परिस्थितियों तथा तकनीकी का सार्थक प्रयोग करते हुए मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा आज की सर्वोत्तम पूरक शिक्षा व्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुकी है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली के सामने व्याप्त पाँच मुख्य चुनौतियों- (i) पहुँच (Access), (ii) समानता (Equity), (iii) गुणवत्ता (Quality), (iv) वहनीयता (Affordability) तथा (1) जवाबदेही (Accountability) को केन्द्र में रखकर घोषित देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के प्रस्तावों को क्रियान्वित करने में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। उप्र की माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की सद्इच्छाओं के अनुरूप उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, शैक्षिक दायित्वों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी लगातार नवप्रयास कर रहा है। चाहे वह गांवों को गोद लेकर उनके समग्र विकास का प्रयास हो या ग्रामीण महिलाओं, ट्रान्सजेन्डर व सजायाफ्ता कैदियों को शुल्क में छूट प्रदान कर उनमें आत्मविश्वास जागृति व उच्च शिक्षा के प्रति अलख जगाने का प्रयास हो।

राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा एक मूलभूत जरूरत है। ज्ञान-विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्रों में हो रहे तीव्र परिवर्तनों व वैश्विक स्तर पर रोजगार की परिस्थितियों में आ रहे परिवर्तनों के कारण भारतीय युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने पर ही भारत का भविष्य निर्भर करेगा। इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हेतु शिक्षा को सर्वसुलभ, समावेशी तथा गुणवत्तापरक बनाना समसामयिक अपरिहार्य आवश्यकता है। कोविड-19 संक्रमण काल ने परम्परागत शिक्षा को और भी सीमित कर दिया है जबकि कोविड-19 के संक्रमण काल में तथा कोविड-19 के बाद भी मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था ही एकमात्र पूरक एवं प्रभावी शिक्षा व्यवस्था के रूप में सार्थक सिद्ध हो रही है। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय का दायित्व और भी बढ़ जाता है। इस दायित्व को एक चुनौती स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय ने प्राचीन तथा सनातन भारतीय ज्ञान, परम्परा तथा सांस्कृतिक दर्शन व मूल्यों की समृद्ध विरासत के आलोक में सभी के लिए समावेशी व समान गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करने तथा जीवन पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, परास्नातक डिप्लोमा, स्नातक, परास्नातक तथा शोध उपाधि के समसामयिक शैक्षिक कार्यक्रमों की संख्या तथा गुणात्मकता में वृद्धि की है।

शैक्षिक कार्यक्रमों में संख्यात्मक वृद्धि, गुणात्मक वृद्धि तथा रोजगारपरक बनाने के साथ-साथ प्रत्येक उच्च शिक्षा आकांक्षी तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए अध्ययन केन्द्रों व क्षेत्रीय केन्द्रों के विस्तार के साथ-साथ प्रवेश, परीक्षा, प्रशासन तथा परामर्श (शिक्षण) में आनलाइन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। विश्वविद्यालय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता तथा जवाबदेही सुनिश्चियन की दृष्टि से तकनीकी के प्रयोग को बढ़ाया गया है। 'चुनौती मूल्यांकन' की व्यवस्था सुनिश्चित करने का कार्य किया गया है, तो शिक्षार्थी सहायता सेवाओं में भी वृद्धि की जा रही है। शिक्षार्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु शिकायत निवारण प्रकोष्ठ को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पुरातन छात्र परिषद को गतिशील किया गया है।

शोध और नवाचार के क्षेत्र में अग्रसर होते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (GC) नई दिल्ली तथा माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उप्र की अनुमति से विश्वविद्यालय में शोध कार्यक्रम पुनः प्रारम्भ किया गया है तथा वर्ष पर्यन्त समसामयिक विषयों पर व्याख्यान, सेमिनार, वेबिनार तथा आनलाइन संगोष्ठियों आदि की श्रृंखला भी प्रारम्भ की गयी है। विभिन्न क्षेत्रों में रिसर्च प्रोजेक्ट सम्पादन पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया है। पुस्तकालय को अत्याधुनिक तथा सुदृढ़ बनाने हेतु कदम उठाये गये हैं। शिक्षकों व कर्मचारियों के स्वास्थ्य तथा कल्याण की योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं।

(संबंधित विचार विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लिए गए हैं।)

कुलपति प्रो सीमा ने किया परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण

● राजर्षि टंडन मुक्त विवि की परीक्षाएं शुरू

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करतीं कुलपति प्रो सीमा सिंह।

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाएं मंगलवार से प्रदेश के 147 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गयीं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कुलसचिव विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह उनके साथ थे। परीक्षा नियंत्रक देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि कि मंगलवार को प्रदेश के सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षाएं संपन्न हुई। पहले दिन प्रमाण पत्र डिप्लोमा एवं परास्नातक डिप्लोमा के 85 प्र[…] पाईनियर […]ाएं आयोजित की गयीं। उन्होंने ब[…]ता पूर्ण नकल विहिन परीक्षा संपन्न कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षकों की टीम का गठन कर लिया गया है।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में वृहद रोजगार मेला 16 को

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने बताया कि विवि की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश की जानी मानी कंपनियां मुक्त विवि में आयोजित वृहद रोजगार मेले में आ रही हैं। विवि के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफसे आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को वृहद रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। रोजगार मेले में नौकरी प्राप्त करने के लिए अभी तक सैकड़ों युवाओं ने विवि की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। साक्षात्कार के समय अपना बायोडाटा फोटो पहचान पत्र तथा सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों को साथ में लाना आवश्यक है। कुलपति प्रो सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में एयर इंडिया बाईजूस टेक महिंद्रा पेटीएम एचडीबी फाइनेंसियल सर्विसेज पैसा बाजार योकोहोमा टायर्स कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधि 16 फरवरी को सुबह दस बजे से नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेंगे। चयन प्रक्रिया के उपरांत कंपनी की तरफसे प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। विवि के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए विवि प्रशासन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी तैयारी के लिए मुस्तैद है।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, बुधवार 15 फरवरी, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 16 फरवरी को वृहद रोजगार मेला

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में 16 फरवरी 2023 को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर पहली बार देश की जानी मानी कंपनियां मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित वृहद रोजगार मेले में आ रही हैं। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ की तरफ से आयोजित रोजगार मेले में युवाओं को वृहद रोजगार मिलने की संभावना बढ़ गई है। रोजगार मेले में नौकरी प्राप्त करने के लिए अभी तक सैकड़ों युवाओं ने विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है। साक्षात्कार के समय अपना एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधि 16 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लेंगे। चयन प्रक्रिया के उपरांत कंपनी की तरफ से प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाली भीड़ की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी तैयारी के लिए मुस्तैद है। वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने बताया कि 1200 पदों पर विभिन्न कंपनियों द्वारा नियुक्ति की जानी है, जिनमें कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर,

---

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
प्रयागराज
मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन
16 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय की कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाजों पर दिया जोर

कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में वृहद रोजगार मेले के अवसर पर विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा बृहस्पतिवार को कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने कहा कि यह कृषि प्रदर्शनी रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए लगाई गई है। प्रदर्शनी में मोटे अनाजों का प्रदर्शन किया गया। जिन में ज्वार बाजरा, रागी, चना की उपयोगिता बताई गई। प्रोफेसर दुबे ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का बुके देकर स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कृषि प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसका लाभ जन जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषक एवं कृषि विज्ञान विषय के शिक्षार्थी जैविक खेती की नयी तकनीक से रूबरू हुए।

मुक्त चिन्तन

माननीया कुलपति जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम के संयोजक कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी. पी. दुबे एवं आयोजन सचिव डॉ सत्येंद्र बाबू

कुलसचिव श्री विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी.पी. सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ सत्येंद्र बाबू एवं संस्थान के प्रतिनिधि

कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण तथा गणमान्य नागरिक

मुक्त चिन्तन

कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण तथा गणमान्य नागरिक

मुक्त चिन्तन

इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन व प्रोफेसर पी. के. पाण्डये, डॉ ज्ञान प्रकाश यादव, डॉ आर. जे. मौर्य, डॉ अमरेंद्र कुमार यादव आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों एवं कृषि उत्पादकों के द्वारा सहभागिता किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान अयोध्या के सचिव श्री कौशल कुमार मिश्रा, जैविक कृषि उत्पादक श्री रामनरेश मौर्य हथिगहा प्रयागराज के प्रोपराइटर श्री सुधीर मौर्य एग्री क्लीनिक एवं एग्रीबिजनेस सेंटर बहरिया प्रयागराज श्री गणेश कुमार मौर्या सुरखा प्रजाति अमरुद उत्पादक बेरुआ कौशांबी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉ सत्येंद्र बाबू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करके किया गया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

16 फरवरी, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में रोजगार मेला में 123 को मिली नौकरी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में बृहस्पतिवार को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की। रोजगार मेला के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री विनय कुमार जी रहे।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने चयनित 123 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कुलपति के हाथ से नियुक्ति पत्र मिलते ही सभी अभ्यर्थी खुशी से झूम उठे।

अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने किया। वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा संचालन डॉ0 संजय सिंह ने किया।

रोजगार मेले में एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधियों ने नामांकित प्रतिभागियों का साक्षात्कार लिया। चयन प्रक्रिया के उपरांत कंपनी की तरफ से प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गये।

वृहद रोजगार मेला में कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पदों पर नियुक्तियां की गई।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 संजय सिंह

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, कुलसचिव श्री विनय कुमार, वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रो0 जे0 पी0 यादव एवं प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह

माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

कुलसचिव श्री विनय कुमार सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव

वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

रोजगार मेले में एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधियों आदि का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह एवं वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह का स्वागत करते हुए प्रो0 ए. के. मलिक

श्री देवेंद्र प्रताप सिंह

विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जीवन में गति का महत्वपूर्ण स्थान है। गति ही शाश्वत है। विश्वविद्यालय ने यह प्लेटफार्म युवाओं को गति देने के लिए ही उपलब्ध कराया है। यहां वे अपने सपनों को साकार करेंगे और अपनी मंजिल तक पहुंचेंगे |रोजगार मेले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने अतिरिक्त काउंटर लगाकर ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन की भी सुविधा प्रदान की। रोजगार मेला में 665 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया जिनमें 310 उपस्थित हुए।

रोजगार मेले में उपस्थित एयर इंडिया, बाईजूस, टेक महिंद्रा, पेटीएम, एच डी बी फाइनेंसियल सर्विसेज, पैसा बाजार, योकोहोमा टायर्स, कार्ड एक्सपर्टाइज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक तथा हिंदुस्तान वेलनैस कंपनी के प्रतिनिधिगण

अभिनव प्रयास व नूतन दिशायें कार्यक्रम के अंतर्गत
वृहद रोजगार मेला 16 फरवरी, 2023
paytm
paisabazaar
TECH mahindra
YOKOHAMA
HDB
Hindustan Wellness
BYJU'S
स्थान - अटल प्रेक्षागृह, सरस्वती परिसर
आयोजक - प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ, उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अपने विचार व्यक्त करते हुए मेला अधिकारी श्री प्रशान्त जी

श्री विनय कुमार

रोजगार मेला के विशिष्ट अतिथि कुलसचिव श्री विनय कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार इतने वृहद स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन किया है। भविष्य में विश्वविद्यालय अपने छात्रों को रोजगार देने के लिए बड़ी–बड़ी कंपनियों को आमंत्रित करेगा।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

रोजगार मेला को संबोधित करते हुए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि यह हम सब की जीत है। हमारे विद्यार्थियों को नौकरी मिली है और कंपनियों को भी योग्य अभ्यर्थी प्राप्त हुए हैं। उन्होंने चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की और कंपनियों के प्रतिनिधियों को साधुवाद देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में अगली बार वृहद स्केल पर रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।

प्रोफेसर जे.पी. यादव

वृहद रोजगार मेला के संयोजक प्रोफेसर जे.पी. यादव ने विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों का चयन करके उन्होंने उनकी मेधा का सम्मान किया है।

मुक्त चिन्तन

साक्षात्कार

Sl. No.	Company Name	Qualification	Gender	Age	Job Profile	Salary	Job Location	Total Opening
1.	Tech Mahindra	Any Graduate	Both	18-27	Customer Care Executive	10k To 15k + Incentive	Noida	100
2.	PAYTM	Any Graduate	Male	18-27	Field Sales Officer	12k To 18k + Incentive	Uttar Pradesh	100
3.	HDB Finance	Any Graduate	Male	18-27	Loan Officer/ Sales Officer	12k To 18k + Incentive	Uttar Pradesh	50
4.	BYJUS	Any Graduate	Both	18-27	Businesss development Officer	8 Lakh per Annum	PAN India	100
5.	Paisa Bazaar	Any Graduate	Both	18-27	Process Assistant	15k To 18k + Incentive	PAN India	100

विभिन्न कम्पनियों में साक्षात्कार देते हुए शिक्षार्थी एवं शिक्षार्थियों से वार्ता करती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी।

वृहद रोजगार मेला में कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, फील्ड सेल्स ऑफिसर, लोन ऑफिसर, बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर, प्रोसेस एसोसिएट, मशीन ऑपरेशन, कस्टमर सपोर्ट ऑफिसर, एयर केबिन क्रू, प्रोडक्ट एडवाइजर आदि पदों पर 123 नियुक्तियां पाने वालों के नामों की घोषणा करते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 जे0पी0 यादव

वृहद रोजगार मेला में नियुक्तियां पाने वालों को नियुक्ति पत्र देती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी

मुक्त चिन्तन

बाइट देती हुई माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय के अधिकारीगण व अन्य

मुक्त विश्वविद्यालय की कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाजों पर दिया जोर

खेती की नई तकनीक से रूबरू हुए क्षेत्रीय कृषक

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में वृहद रोजगार मेले के अवसर पर विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा बृहस्पतिवार को कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने कहा कि यह कृषि प्रदर्शनी रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए लगाई गई है। प्रदर्शनी में मोटे अनाजों का प्रदर्शन किया गया। जिन में ज्वार बाजरा, रागी, चना की उपयोगिता बताई गई। प्रोफेसर दुबे ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का बुके देकर स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कृषि प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसका लाभ जन जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषक एवं कृषि विज्ञान विषय के शिक्षार्थी जैविक खेती की नयी तकनीक से रूबरू हुए।

इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीके स्टालिन व प्रोफेसर पीके पांडेय आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों एवं कृषि उत्पादकों के द्वारा सहभागिता किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान अयोध्या के सचिव कौशल कुमार मिश्रा, जैविक कृषि उत्पादक रामनरेश मौर्य हथिगहा प्रयागराज के प्रोपराइटर सुधीर मौर्य एग्री क्लीनिक एवं एग्रीबिजनेस सेंटर बहरिया प्रयागराज गणेश कुमार मौर्या सुरखा प्रजाति अमरुद उत्पादक बेरुआ कौशांबी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉं सत्येंद्र बाबू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करके किया गया।

राज एक्सप्रेस समाचार पत्र

मुक्त विश्व विद्यालय की कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाज के प्रयोग पर दिया जोर

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में वृहद रोजगार मेले के अवसर पर विवि की कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा गुरुवार को कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

खेती की नई तकनीक से रूबरू हुए क्षेत्रीय कृषक

कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी पी दुबे ने कहा कि यह कृषि प्रदर्शनी रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए लगाई गई है।

प्रदर्शनी में मोटे अनाजों का प्रदर्शन किया गया। जिन में ज्वार बाजरा, रागी, चना की उपयोगिता बताई गई। प्रोफेसर दुबे ने कुलपति प्रोफेसर सिंह का बुके देकर स्वागत किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कृषि प्रदर्शनी की सराहना करते हुए इसका लाभ जन जन तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषक एवं कृषि विज्ञान विषय के शिक्षार्थी जैविक खेती की नई तकनीक से रूबरू हुए।

इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओम जी गुप्ता, विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीके स्टालिन व प्रोफेसर पीके पांडेय आदि उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों एवं कृषि उत्पादकों के द्वारा सहभागिता किया गया। जिसमें स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थान अयोध्या के सचिव कौशल कुमार मिश्रा, जैविक कृषि उत्पादक रामनरेश मौर्य हथिगहा प्रयागराज के प्रोपराइटर सुधीर मौर्य एग्री क्लीनिक एवं एग्रीबिजनेस सेंटर बहरिया प्रयागराज गणेश कुमार मौर्या सुरखा प्रजाति अमरुद उत्पादक बेरुआ कौशांबी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन आयोजन सचिव डॉ. सत्येंद्र बाबू द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करके किया गया।

पायनियर
लखनऊ, शुक्रवार, 17 फरवरी 2023

मुक्त विविः रोजगार मेले में 123 को मिली नौकरी

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में बृहस्पतिवार को वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने चयनित 123 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कुलपति के हाथ से नियुक्ति पत्र मिलते ही सभी अभ्यर्थी खुशी से झूम

मुक्त विश्वविद्यालय की कृषि प्रदर्शनी में मोटे अनाजों पर दिया विशेष जोर

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में वृहद रोजगार मेले के अवसर पर विश्वविद्यालय की कृषि विज्ञान विद्या शाखा द्वारा बृहस्पतिवार को कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कृषि प्रदर्शनी का उद्घाटन उत्तर प्रदेश

अपील की। कार्यक्रम में क्षेत्रीय कृषक एवं कृषि विज्ञान विषय के शिक्षार्थी जैविक खेती की नयी तकनीक से रूबरू हुए। इस अवसर पर प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो ओम जी गुप्ता विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो आशुतोष गुप्ता शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो पी के स्टालिन व प्रो पी के पांडेय

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

17 फरवरी, 2023

कार्य परिषद् की 128वीं बैठक आयोजित

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 128वीं बैठक दिनांक 17 फरवरी, 2023 को दोपहर 11:30 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह जी ने की। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

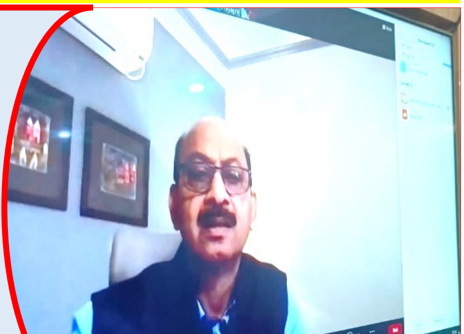

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

प्रो0 सीमा सिंह जी
माननीया कुलपति,

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

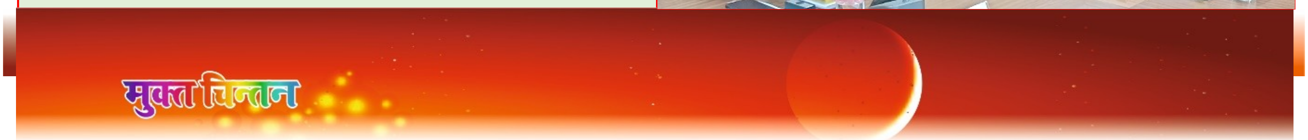

कार्य परिषद् की 128वीं बैठक

बैठक में माननीय न्यायमूर्ति श्री मनोज कुमार गुप्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 उमा कॉजीलाल, प्रति कुलपति, इन्दिरा गॉंधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, श्री ओम प्रकाश बदलानी, मैनेजिंग डायरेक्ट, मै. प्रयाग क्ले प्रोडक्ट्स प्राइवेट, लिमिटेड आफ रिंग रोड, शिवपुर, वाराणसी, श्री अभय सिंह, सूर्या इण्डिया पैलेस, वाराणसी, प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे, निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रयागराज, प्रो0 सत्यपाल तिवारी, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषा कुमार, आचार्य (इतिहास), समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल (समाज विज्ञान विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 साधना श्रीवास्तव, असिस्टेण्ट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार (मानविकी विद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्री शशि भूषण सिंह तोमर, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं श्री विनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थित रहे।

dk;Z ifj"kn dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr ek0lnL;x.kA

मुक्त चिन्तन

20 फरवरी, 2023

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारभ

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 20 फरवरी, 2023 को प्रातः 10:30 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक सभागार में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान, पूर्व कुलपति एकेटीयू, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि डॉ मुकुल चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्र, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का औपचारिक प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात समाज विज्ञान विद्याशाखा के शिक्षकों द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, मुख्य वक्ता एवं माननीय कुलपति महोदया का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। इसी क्रम में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर संतोष कुमार द्वारा मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत किया गया। तत्पश्चात शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ आनंदा नंद त्रिपाठी ने पाठ्यक्रम का परिचय प्रस्तुत किया। इसके बाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति जी द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता को अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह एवं फल प्रदान कर उनका स्वागत किया गया। स्वागत के इस क्रम में समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. संतोषा कुमार एवं पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. आनंदा नंद त्रिपाठी द्वारा माननीय कुलपति जी का अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह द्वारा स्वागत किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सह आचार्यगण, सहायक आचार्यगण, समस्त शोधार्थी एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विश्वविद्यालयों से आए हुए विभिन्न प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पाठ्यक्रम के सह–निदेशक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी ने किया।

संचालन करते हुए पाठ्यक्रम के सह–निदेशक डॉ. त्रिविक्रम तिवारी तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

विशिष्ट अतिथि डॉ मुकुल चतुर्वेदी जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सुनील कुमार

मुख्य वक्ता प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्र जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 आनन्द नन्द त्रिपाठी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर सन्तोषा कुमार

मुख्य अतिथि प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 संजय कुमार सिंह

मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत करते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर संतोष कुमार

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सह आचार्यगण, सहायक आचार्यगण, समस्त शोधार्थी एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों एवं विश्वविद्यालयों से आए हुए विभिन्न प्रतिभागी

इस पाठ्यक्रम में देश के 9 राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली एवं तमिलनाडु) से कुल 172 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमें से चयनित 30 प्रतिभागियों को प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया गया है। संपूर्ण पाठ्यक्रम में कुल 30 व्याख्यान होंगे, जिसमें विशेषज्ञ के रूप में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं आचार्य अपना व्याख्यान देंगे। पाठ्यक्रम का समापन दिनांक 02 मार्च 2023 को समापन सत्र के साथ होगा। पाठ्यक्रम पूर्णतः भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है।

मुक्त चिन्तन

10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ आनंदा नंद त्रिपाठी

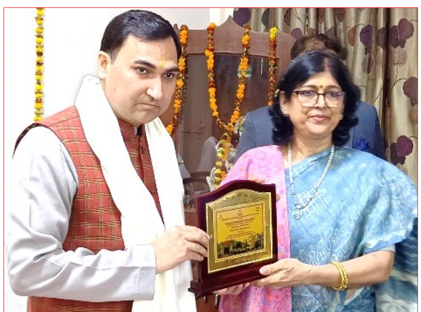

माननीय अतिथियों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं फल की टोकरी भेंट कर सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं फल की टोकरी भेंट कर सम्मानित करते हुए आयोजन समिति के सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

परंपरागत भारतीय शोध प्रविधि अधिक समीचीन : प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्रा

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्रा ने शोध प्रविधि के पाश्चात्य एवं प्राच्य परंपराओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि पाश्चात्य शोध प्रविधि पर विद्वत जगत में सैद्धांतिक आधार पर प्रश्न चिन्ह लग चुका है। ऐसे में परंपरागत भारतीय शोध प्रविधि

प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्रा

मुक्त चिन्तन

भारतीय भाषाओं में भी शोध को मिले गति : डॉ मुकुल चतुर्वेदी

डॉ मुकुल चतुर्वेदी

विशिष्ट अतिथि डॉ मुकुल चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद, लखनऊ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्रावधानों के दार्शनिक आयामों एवं आधारों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन शैली के सम्यक रूप को शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मौजूदा शासन में शिक्षा की दशा और दिशा में गुणात्मक एवं सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि शोध को भारतीय भाषाओं में भी आगे बढ़ाया

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध – प्रोफेसर डीएस चौहान
olitical Science, School of Social Sciences
U. P. Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
Venue: Tilak Shastrarth Sabhagar, Saraswati Parisar, UPRTOU, Prayagraj

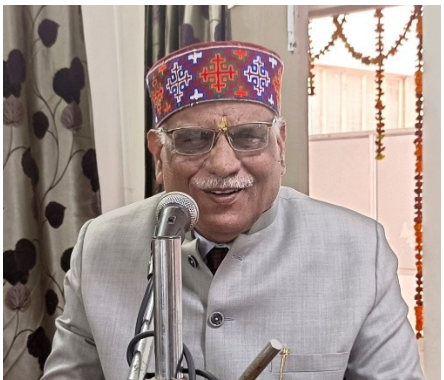

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान, पूर्व कुलपति, एकेटीयू, लखनऊ ने कहा कि शोध में सकारात्मकता होनी चाहिए क्योंकि सकारात्मकता शोध को परिणाम तक पहुंचाने में सहायक होती है। उन्होंने बताया कि शोध व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास का संवर्धन करता है, जो अंततः उसकी संभावनाओं के विकास में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य ऐसा प्राणी है जिसकी जिज्ञासाओं का कोई अंत नहीं होता और इसीलिए शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान

मुक्त चिन्तन

विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति– प्रोफेसर सीमा सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षीय उद्‌बोधन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रतिभागियों को शोध की बारीकियों का यथासंभव अनुपालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि बिना किसी सामाजिक संदर्भ के शोध अर्थहीन हो जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समस्त शोध संस्थानों में शोध की एक संस्कृति विकसित होनी चाहिए। जिससे शोध सार्थक और निष्पक्ष बनने की ओर अग्रसर हो।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ संजय कुमार सिंह

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

ग्रुप फोटोग्राफी

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
20 फरवरी, 2023

माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुक्त विश्वविद्यालय में उर्जा एवं हरित परिसर के संबंध में प्रस्तुतीकरण

कक्ष में **G C Consultancy Services** द्वारा विश्वविद्यालय में उर्जा एवं हरित परिसर के संबंध में प्रस्तुतीकरण किया गया ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशक एवं नैक 07 **Criteria** समिति के प्रभारीगण आदि उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित सदस्यगण

मुक्त चिन्तन

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को गीता की किताब भेट करते हुए G C Consultancy Services के प्रोप्राइटर आशुतोष कुमार श्रीवास्तव

बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं उपस्थित सदस्यगण

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 21 फरवरी, 2023

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध : चौहान

मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान करती कुलपति प्रो सीमा सिंह।

- विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति : प्रो. सीमा सिंह
- राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारंभ

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, मंगलवार 21 फरवरी, 2023

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध - प्रोफेसर डीएस चौहान

विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति- प्रोफेसर सीमा सिंह, राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारंभ

हरबात
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रयागराज, मंगलवार, 21 फरवरी, 2023, मूल्य : 1 रुपया

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध - प्रोफेसर डीएस चौहान
विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति-प्रो.सीमा सिंह
राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारंभ

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में दस दिनी शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि एकेटीयू के पूर्व कुलपति प्रो. दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शोध में सकारात्मकता होनी चाहिए, क्योंकि सकारात्मक शोध को परिणाम तक पहुंचाने में सहायक होती है। शोध व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास का संवर्धन करता है, जो अंततः उसकी संभावनाओं के विकास में योगदान देता है। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि बिना किसी सामाजिक संदर्भ के शोध अर्थहीन हो जाते हैं। समस्त शोध संस्थानों में शोध की एक संस्कृति विकसित होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. मुकुल चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय चिंतन शैली को सम्यक रूप को शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रो. राकेश कुमार मिश्र ने शोध प्रविधि के पाश्चात्य एवं प्राच्य परंपराओं की समीक्षा की। प्रो. एस कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया।

दैनिक अमृत प्रभात
वर्ष - 47 अंक - 51 प्रयागराज, मंगलवार 21 फरवरी 2023 पृष्ठ - 12 मूल्य - 3.50 रुपए

जनता के साथ जनता की आवाज

राजर्षि टंडन मुक्त विवि में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारंभ

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध : प्रोफेसर डीएस चौहान

विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति: प्रोफेसर सीमा सिंह

हिन्दी दैनिक अवधनामा
RNI NO : UPHIN/2010/31173

लखनऊ, मंगलवार, 21 फरवरी 2023

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध: प्रो. चौहान

- विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति: प्रोफेसर सीमा सिंह
- राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारंभ

दैनिक सच्चाई की जंग
लोकमित्र
वर्ष : 29 | अंक :112
प्रतापगढ़ | मंगलवार ,21 फरवरी-2023
पृष्ठ : 12 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध: प्रोफेसर डीएस चौहान

- विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृतिः प्रोफेसर सीमा सिंह
- राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारभ

प्रयागराज। उ प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का उद्घाटन सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान, पूर्व कुलपति, एकेटीयू, लखनऊ ने कहा कि शोध में सकारात्मकता होनी चाहिए क्योंकि सकारात्मकता शोध को परिणाम तक पहुंचाने में सहायक होती है। उन्होंने बताया कि शोध व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास का संवर्धन करता है, जो अंततः उसकी संभावनाओं के विकास में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य ऐसा प्राणी है जिसकी जिज्ञासाओं का कोई अंत नहीं होता और इसीलिए शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।अध्यक्षीय उद्बोधन में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रतिभागियों को शोध की बारीकियों का यथासंभव अनुपालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि बिना किसी सामाजिक संदर्भ के शोध अर्थहीन हो जाते हैं।विशिष्ट अतिथि डॉ मुकुल चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद, लखनऊ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्रावधानों के दार्शनिक आयामों एवं आधारों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारतीय चिंतन शैली को सम्यक रूप को शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्रा ने शोध प्रविधि के पाश्चात्य एवं प्राच्य परंपराओं की समीक्षा की। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने मंचासीन विशिष्टजनों का स्वागत किया। शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला का संचालन पाठ्यक्रम के सह-निदेशक डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
वर्ष : 13 अंक : 323, प्रयागराज, मंगलवार 21 फरवरी 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज

आत्मविश्वास का संवर्धन करता है शोध : प्रो डीएस चौहान

तर्कशास्त्र ज्ञान का प्रवेश द्वार : राकेश मिश्रा, विकसित होनी चाहिए शोध की संस्कृति : प्रो सीमा सिंह, मुक्त विवि में दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम प्रारभ

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर दस दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि एकेटीयू लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान ने कहा कि शोध व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास का संवर्धन करता है, जो अंततः उसकी सम्भावनाओं के विकास में योगदान देता है।

समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि शोध में सकारात्मकता होनी चाहिए। क्योंकि यह शोध को परिणाम तक पहुंचाने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य ऐसा प्राणी है जिसकी जिज्ञासाओं का कोई अंत नहीं होता और इसीलिए शोध एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश कुमार मिश्रा ने शोध प्रविधि के पाश्चात्य एवं प्राच्य परम्पराओं की समीक्षा की। बताया कि पाश्चात्य शोध प्रविधि पर विद्वत जगत में सैद्धांतिक आधार पर प्रश्न चिन्ह लग चुका है। ऐसे में परम्परागत भारतीय शोध प्रविधि अधिक समीचीन लगती है। उन्होंने कहा कि सामाजिक विज्ञानों के लिए सही अर्थों में वही शोध प्रविधि समीचीन होगी जो एक समावेशी एवं सम्यक दृष्टि प्रदान करती हो। उन्होंने कहा कि 4 प्रकार से ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। जिसमें प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द प्रमाण प्रमुख हैं। जबकि यथार्थ ज्ञान प्राप्त करने में 16 चीजों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि तर्कशास्त्र ज्ञान का प्रवेश द्वार है। हमें साध्य साधन दोनों का समुचित ज्ञान होना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विवि की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रतिभागियों को शोध की बारीकियों का यथासंभव अनुपालन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बिना किसी सामाजिक संदर्भ के शोध अर्थहीन हो जाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समस्त शोध संस्थानों में शोध की एक संस्कृति विकसित होनी चाहिए। जिससे शोध सार्थक और निष्पक्ष बनने की ओर अग्रसर हो।

विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य उच्चतर शिक्षा परिषद लखनऊ के उपाध्यक्ष डॉ मुकुल चतुर्वेदी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वर्णित प्रावधानों के दार्शनिक आयामों एवं आधारों से परिचित कराया। कहा कि भारतीय चिंतन शैली को सम्यक रूप को शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मौजूदा शासन में शिक्षा की दशा और दिशा में गुणात्मक एवं सकारात्मक परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि शोध को भारतीय भाषाओं में भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। योग, ध्यान तथा संस्कृत पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

इसके पूर्व समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने मंचासीन विशिष्टजनों का स्वागत किया। शोध प्रविधि पाठ्यक्रम के निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने 10 दिवसीय शोध प्रविधि पाठ्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन पाठ्यक्रम के सह निदेशक डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि इस पाठ्यक्रम में देश के 9 राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली एवं तमिलनाडु से कुल 172 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से चयनित 30 प्रतिभागियों को प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया गया है। पाठ्यक्रम का समापन 02 मार्च को होगा।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

21 फरवरी, 2023

कलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाएं मंगलवार दिनांक 14 फरवरी, 2023 से प्रदेश के 147 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रारंभ हो गई। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दिनांक 21 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक श्री देवेंद्र प्रताप सिंह उनके साथ थे। माननीया कुलपति जी ने परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया।

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, बुधवार 22 फरवरी 2023

त्रिदिवसीय सीआरई कार्यक्रम 22 से

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में 22-24 फरवरी तक त्रिदिवसीय आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स विषय पर सी आर ई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 22 फरवरी को पूर्वान्ह 10.30 बजे सरस्वती परिसर स्थित गार्गी सभागार में आयोजित किया गया है।

हरबात

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

22 फरवरी, 2023

कुलपति ने किया परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में परीक्षा नियंत्रक श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र दिसंबर 2022 की परीक्षाएं मंगलवार दिनांक 14 फरवरी, 2023 से प्रदेश के 147 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है। विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दिनांक 22 फरवरी, 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र के परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। माननीया कुलपति जी ने परीक्षा व्यवस्था को देखकर संतोष व्यक्त किया।

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करती हुई माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

परीक्षा केन्द्र पर लगे कैमरे का निरीक्षण करती हुई माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी साथ में केन्द्राध्यक्ष प्रो0 जे0पी0 यादव

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

22 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्याशाखा के तत्वाधान में भारतीय पूनवार्स परिषद् नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित तीन दिवसीय सतत् पुनर्वास कार्यक्रम (CRE) ICT and Education of Children with Autism Spectrum Disorders का आयोजन 22 फरवरी 2023 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वती परिसर स्थित गार्गी सभागार में

संचालन करते हुए CRE कार्यक्रम के सह–समन्वयक डॉ. संजय सिंह तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र कुमार जैन जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई CRE कार्यक्रम की समन्वयक नीता मिश्रा

माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए निदेशक शोध एवं विकास प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई असि. प्रोफेसर, (संवि.) सुषमा सिंह

मुक्त चिन्तन

मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत करते हुए शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन ने प्रोग्राम में प्रतिभाग करने वाले सभी प्रतिभागी एवं प्रोग्राम में उपस्थित मा0 कुलपति, प्रो0 सीमा सिंह, मुख्य अतिथि सभी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर, शिक्षक, कर्मचारी, मीडियाकर्मी एवं कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे सभी प्रतिभागीगण का स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

अतिथि परिचय तथा विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए निदेशक शोध एवं विकास प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

अतिथि एवं विश्वविद्यालय के बारे में बताते हुए प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय आचार्य, शोध एवं विकास विभाग, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अपने वक्तव्य में विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली का उल्लेख किया साथ ही साथ उन्होने बताया कि एक चिकित्सक जब शिक्षक की भूमिका में आ जाता है। तो वह निःस्वार्थ शिक्षा के क्षेत्र में भी अपना योगदान प्रदान करता है। एक शिक्षक जब अपने छात्रो की एक चिकित्सक के रूप में पहचान करने लगता है तब वह स्वतः ही अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़ने लगता है। उन्होने बताया की ओ0 डी0 एल0 जो कभी एक विकल्प के रूप मे शिक्षा को प्राप्त करने का साधन था। वह वर्तमान में शिक्षा के गुणात्मक्ता स्तर और उन्नयन हेतु एक प्रभावी साधन बन गया है।

विषय परिवर्तन करती हुई CRE कार्यक्रम की समन्वयक नीता मिश्रा

मुक्त चिन्तन

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास – डॉ जैन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वाधान में बुधवार को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार जैन, अध्यक्ष, त्रिशला फाउंडेशन, प्रयागराज ने कहा कि चुनौतियों के बाद भी जीवन होता है। ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। सही देखभाल, समुचित इलाज और उत्साहवर्धक प्रेरणा से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों का विकास किया जा सकता है। मनोवैज्ञानिक सहयोग और मनोबल की भूमिका दवाइयों से भी अधिक होती है।

डॉ जितेन्द्र कुमार जैन

डॉ जैन ने कहा कि त्रिशला फाउंडेशन दिव्यांगों के उन्नयन में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने ऑटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की विभिन्नताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए जिनमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे कई ऊंचाइयों को प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस विकार के समाधान हेतु स्कूलों, शिक्षकों और परिवार के सदस्यों की भूमिका विशेष रहती है।

मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र कुमार जैन जी को अंगवस्त्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो० क्षत्रसाल सिंह

माननीय कुलपति, प्रोफ़ेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए निदेशक शोध एवं विकास प्रो० पी० के० पाण्डेय

शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान करती हुई CRE कार्यक्रम की समन्वयक नीता मिश्रा

कार्यक्रम में उपस्थित कुलसचिव, सभी विद्याशाखा के निदेशक, प्रोफेसर, शिक्षक, कर्मचारी, मीडियाकर्मी एवं कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे प्रतिभागीगण

इस कार्यक्रम में कुल 9 तकनीकी सत्र संचालित किए जाएंगे। जिनमें विभिन्न राज्यों के कुल 28 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन आज तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य श्री कमलाकांत पांडे, द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ सहायक आचार्य श्रीमती सुषमा सिंह तथा तृतीय तकनीकी सत्र में सहायक आचार्य डॉ नीता मिश्रा ने विषयवस्तु पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। 3 दिन तक चलने वाले सतत पुनर्वास कार्यक्रम में शेष तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ कमलेश तिवारी, डॉ संजय कुमार सिंह, श्री परविंद कुमार वर्मा, श्री एस एस मिश्रा, डॉ आर के सिंह, प्रोफेसर पी के पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के सभी निदेशक, शिक्षक, कुलसचिव एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरी : कुलपति

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे में स्वाभिमान जागृत करना है। उसे गौरव प्रदान करना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आईसीटी इसमें कैसे मदद कर सकती है। इसीलिए इस पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को जानना एवं पहचानना है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके अंदर परिवर्तन काफी समय के बाद दिखाई पड़ता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एसोसिएट प्रोफेसर शिक्षा विद्याशाखा डॉ0 दिनेश सिंह

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 23 फरवरी 2023
गोण्डा/अयोध्या/अम्बेड

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकासः डॉ जैन

- ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरीः कुलपति प्रो सिंह
- मुक्त विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफचिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स के उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि त्रिशला फाउंडेशन प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ जितेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि चुनौतियों के बाद भी जीवन होता है। ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है। जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। सही देखभाल समुचित इलाज और उत्साहवर्धक प्रेरणा से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों का विकास किया जा सकता है।

मनोवैज्ञानिक सहयोग और मनोबल की भूमिका दवाइयों से भी अधिक होती है। डॉ जैन ने कहा कि त्रिशला फाउंडेशन दिव्यांगों के उन्नयन में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने ऑटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की विभिन्नताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए। जिनमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे कई ऊंचाइयों को प्राप्त कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि इस विकार के समाधान हेतु स्कूलों शिक्षकों और परिवार के सदस्यों की भूमिका विशेष रहती है। अध्यक्षता कर रहीं मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे में स्वाभिमान जागृत करना है। उसे गौरव प्रदान करना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आईसीटी इसमें कैसे मदद कर सकती है। इसीलिए इस पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को जानना एवं पहचानना है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके अंदर परिवर्तन काफी समय के बाद दिखाई पड़ता है। प्रो सिंह ने कहा कि ऑटिज्म अपने आप में एक नया संप्रत्यय है। इस दिव्यांगता के बारे में पहले किसी को नहीं पता था। इसे आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 ने पहली बार 21 दिव्यांगता में शामिल किया। अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो पी के स्टालिन ने किया। विश्वविद्यालय के बारे में शोध एवं विकास के निदेशक प्रो पी के पांडेय ने जानकारी दी तथा विषय प्रवर्तन डॉ नीता मिश्रा ने किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिनेश कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में कुल नौ तकनीकी सत्र संचालित किए जाएंगे। जिनमें विभिन्न राज्यों के कुल 28 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन आज तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य कमलाकांत पांडेय द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ सहायक आचार्य सुषमा सिंह तथा तृतीय तकनीकी सत्र में सहायक आचार्य डॉ नीता मिश्रा ने विषयवस्तु पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। तीन दिन तक चलने वाले सतत पुनर्वास कार्यक्रम में शेष तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ कमलेश तिवारी डॉ संजय कुमार सिंह परविंद कुमार वर्मा एस एस मिश्रा डॉ आर के सिंह प्रो पी के पांडेय प्रो छत्रसाल सिंह आदि अपने विचार व्यक्त करेंगे।

दैनिक लोकमित्र

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास: डॉ जैन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरी-कुलपति

दैनिक पूर्वांचल स्वर

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास : डॉ जैन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरीः कुलपति-मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

प्रयाग प्रभात

वर्ष: 12 अंक: 259 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, गुरुवार, 23 फरवरी, 2023 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरी : कुलपति

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार जैन, अध्यक्ष, त्रिशला फाउंडेशन, प्रयागराज ने कहा कि चुनौतियों के बाद भी जीवन होता है। ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। सही देखभाल, समुचित इलाज और उत्साहवर्धक प्रेरणा से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों का विकास किया जा सकता है। मनोवैज्ञानिक सहयोग और मनोबल की भूमिका दवाइयों से भी अधिक होती है। डॉ जैन ने कहा कि त्रिशला फाउंडेशन दिव्यांगों के उन्नयन में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने ऑटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की विभिन्नताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए जिनमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे कई ऊंचाइयों को प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस विकार के समाधान हेतु स्कूलों, शिक्षकों और परिवार के सदस्यों की भूमिका विशेष रहती है। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे में स्वाभिमान जागृत करना है। उसे गौरव प्रदान करना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आईसीटी इसमें कैसे मदद कर सकती है। इसीलिए इस पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को जानना एवं पहचानना है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके अंदर परिवर्तन काफी समय के बाद दिखाई पड़ता है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि ऑटिज्म अपने आप में एक नया संप्रत्यय है। इस दिव्यांगता के बारे में पहले किसी को नहीं पता था। इसे आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 ने पहली बार 21 दिव्यांगता में शामिल किया। अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीके स्टालिन ने किया। विश्वविद्यालय के बारे में शोध एवं विकास के निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने जानकारी दी तथा विषय प्रवर्तन डॉ नीता मिश्रा ने किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिनेश कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में कुल 9 तकनीकी सत्र संचालित किए जाएंगे। जिनमें विभिन्न राज्यों के कुल 28 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन आज तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य श्री कमलाकांत पांडे, द्वितीय सत्र मे विषय विशेषज्ञ सहायक आचार्य श्रीमती सुषमा सिंह तथा तृतीय तकनीकी सत्र में सहायक आचार्य डॉ नीता मिश्रा ने विषयवस्तु पर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। 3 दिन तक चलने वाले सतत पुनर्वास कार्यक्रम में शेष तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ कमलेश तिवारी, डॉ संजय कुमार सिंह, श्री परविंद कुमार वर्मा, श्री एस एस मिश्रा, डॉ आर के सिंह, प्रोफेसर पी के पांडेय, प्रोफेसर छत्रसाल सिंह आदि अपने विचार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के सभी निदेशक, शिक्षक, कुलसचिव एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक वॉइस ऑफ इलाहाबाद

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकासः डॉ जैन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरीः कुलपति
मुक्त वि वि में त्रिदिवसीय सतत् पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक तिजारत

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास : डॉ. जैन

हिन्दी दैनिक इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 13 अंक : 325, प्रयागराज, गुरुवार 23 फरवरी 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास : डॉ जैन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरी: कुलपति, मुक्त विवि में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, गुरूवार 23 फरवरी 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार जैन, अध्यक्ष, त्रिशला फाउंडेशन, प्रयागराज ने कहा कि चुनौतियों के बाद भी जीवन होता है। ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। सही देखभाल, समुचित इलाज और उत्साहवर्धक प्रेरणा से ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों का विकास किया जा सकता है। मनोवैज्ञानिक सहयोग और मनोबल की भूमिका दवाइयों से भी अधिक होती है। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ऑटिज्म से ग्रसित बच्चे में स्वाभिमान जागृत करना है। उसे गौरव प्रदान करना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आईसीटी इसमें कैसे मदद कर सकती है। इसीलिए इस पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को जानना एवं पहचानना है। अतिथियों का स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीके स्टालिन ने किया। विश्वविद्यालय के बारे में शोध एवं विकास के निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने जानकारी दी तथा विषय प्रवर्तन डॉ नीता मिश्रा ने किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिनेश कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में कुल 9 तकनीकी सत्र संचालित किए जाएंगे। जिनमें विभिन्न राज्यों के कुल 28 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन आज तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र हरबात
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 79 प्रयागराज, गुरुवार, 23 फरवरी, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

उत्साहवर्धक प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकास : डॉ जैन

ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को पहचानना जरूरीः कुलपति
मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

URDU DAILY AAG GORAKHPUR

आज
प्रयागराज, गुरुवार २३ फरवरी, २०२३

उत्साहवर्द्धक प्रेरणा से होगा आटिज्म बच्चोंका विकास - डा. जैन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्याल की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम 'आईसीटी एंड एजुकेशन आफ चिल्ड्रेन विद आस्टिम स्पेक्ट्रम डिसआर्डर्स' के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डा.जितेन्द्र ... किया जा सकता है। मनोवैज्ञानिक सहयोग और मनोबल की भूमिका दवाइयों से भी अधिक होती है। डा.जैन ने कहा कि त्रिशला फाउंडेशन दिव्यांगों के उन्नयन में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आटिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की विभिन्नताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कई ऐसे उदाहरण दिए जिनमें आटिज्म ... है। उसे गौरव प्रदान करना है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आईसीटी इसमें कैसे मदद कर सकती है। इसीलिए इस पुनर्वास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हमें ऑटिज्म से ग्रसित बच्चों की क्षमताओं को जानना एवं पहचानना है। इसके लिए धैर्य की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके अंदर परिवर्तन काफी ... सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में कुल नौ तकनीकी सत्र संचालित होंगे जिनमें विभिन्न राज्यों के कुल २८ प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के पहले दिन बुधवार को तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य श्री कमलाकांत पांडेय, द्वितीय सत्र में विषय विशेषज्ञ सहायक आचार्या

इन्क़िलाबी नज़र

उत्साहवर्धन से होगा ऑटिज्म पीड़ित बच्चों का विकास

- मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम प्रारम्भ

हिन्दुस्तान

प्रेरणा से होगा ऑटिज्म बच्चों का विकासः डॉ. जैन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि त्रिशला फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि चुनौतियों के बाद भी जीवन होता है। ऑटिज्म एक न्यूरो डेवलपमेंटल विकार है, जो व्यक्ति के सामाजिक व्यवहार और संपर्क को प्रभावित करता है। सही देखभाल, समुचित इलाज और उत्साहवर्धक प्रेरणा से ऑटिज्म ग्रसित बच्चों का विकास किया जा सकता है।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

24 फरवरी, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सी आर ई कार्यक्रम का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स विषय पर सतत पुनर्वास कार्यक्रम सी आर ई का शुक्रवार दिनांक 24 फरवरी, 2023 को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष, नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, प्रयागराज रहे तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

इससे पूर्व अतिथियों का परिचय एवं स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी. के. स्टालिन ने किया। त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम की रिपोर्ट कार्यक्रम की समन्वयक डॉ नीता मिश्रा ने प्रस्तुत की। संचालन डॉक्टर रवीन्द्र नाथ सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर छत्रसाल सिंह ने किया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला के 9 तकनीकी सत्रों में श्री कमलाकांत पांडे,श्रीमती सुषमा सिंह,डॉ नीता मिश्रा, डॉ कमलेश तिवारी, डॉ संजय कुमार सिंह, श्री परविंद

संचालन करते हुए रविन्द्र नाथ सिंह तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक
प्रो० पी० के० स्टालिन
को पुष्पगुच्छ भेंट कर
उनका स्वागत करते हुए
असि. प्रोफेसर, (संवि.) डॉ० संजय सिंह

मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए असि. प्रोफेसर, (संवि.) परविन्द्र वर्मा

माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई CRE कार्यक्रम की समन्वयक डॉ0 नीता मिश्रा

मंचासीन विशिष्टजनों का परिचय एवं वाचिक स्वागत करते हुए शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

त्रिदिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करती हुई CRE कार्यक्रम की समन्वयक नीता मिश्रा

कार्यशाला के अपने अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागीगण

मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. सिंह जी को अंगवस्त्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 क्षत्रसाल सिंह

माननीय कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान करते हुए शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो0 पी0 के0 स्टालिन

मुक्त चिन्तन

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के कौशल को निखारने की आवश्यकता : डॉ सिंह

डॉ आर के सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर के सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष, नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, प्रयागराज ने कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के कौशल को निखारने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें प्रेरणा प्रोत्साहन और सहयोग चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के पठन–पाठन में विशेष उपकरण और पाठ्य आधारित सहगामी क्रियाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने ब्रेल लिपि से संबंधित संग्रहालय को आज की आवश्यकता बताया। विश्वविद्यालय में इस तरह की सुविधा उत्पन्न होने से दृष्टिबाधित छात्र अपनी क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। दृष्टि बाधित होना चुनौती नहीं बल्कि यह कुछ कर दिखाने के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

मुक्त चिन्तन

ऑटिज्म पीड़ित बच्चों को मुख्यधारा में लाना ही इसका उद्देश्य है : कुलपति

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि तीन दिवसीय सतत पुनर्वास कार्यक्रम का उद्देश्य यही था कि सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग और उपयोग से आटिज्म पीड़ित बच्चों का जीवन किस तरह संवारा जा सकता है अब यह मशाल शिक्षार्थियों और युवाओं के हाथ में है। ऑटिज्म पीड़ित बच्चों को मुख्यधारा में लाना ही इसका उद्देश्य है आज पूरे देश और विश्व में एक संदेश और जागरूकता की आवश्यकता है। इसका प्रमुख साध्य भी शिक्षा है। अतः विशेष शिक्षा के जरिए उन पीड़ितों की भावनाओं को पहचानना होगा और सभी दिव्यांगों दृष्टिबाधित छात्रों को प्रेरणा एवं सहयोग प्रदान करना होगा।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर छत्रसाल सिंह

राष्ट्रगान

BREAKING NEWS जीआईएस-23 के ये तीन दिन यूपी का भाग्य बदलने वाले : अ_

सदभावना का प्रतीक

ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के कौशल को निखारने की आवश्यकता : डॉ सिंह

- **मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय सी आर ई कार्यक्रम का समापन**

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित त्रिदिवसीय आईसीटी एंड एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रेन विद ऑस्टिम स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर्स विषय पर सतत पुनर्वास कार्यक्रम सी आर ई का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ आर के सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष, नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड, प्रयागराज ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के कौशल को निखारने की आवश्यकता है। इसके लिए उन्हें प्रेरणा प्रोत्साहन और सहयोग चाहिए।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थियों के पठन-पाठन में विशेष उपकरण और पाठ्य आधारित सहगामी क्रियाओं की आवश्यकता होती है। उन्होंने ब्रेल लिपि से संबंधित संग्रहालय को आज की आवश्यकता बताया। विश्वविद्यालय में इस तरह की सुविधा उत्पन्न होने से दृष्टिबाधित छात्र

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

27 फरवरी, 2023

स्कूली बच्चों और अभिभावकों के रिश्तो पर मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय आगमन पर मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर शांतिपुरम, फाफामऊ के संयुक्त तत्वाधान में 27 फरवरी 2023 को पूर्वाह्न 10:30 बजे **"Parenting Style and Parent-Child Relationship in School Going Children"** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी, माननीया सांसद, फूलपुर प्रयागराज रहीं। विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ, प्रयागराज तथा अध्यक्षता मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में किया गया। प्रारंभ में कार्यशाला तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव श्री विनय कुमार ने किया। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यशाला में रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य डॉ गौरी द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह, डॉ अजेंद्र मलिक, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, श्री अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई कार्यशाला संयोजिका डॉ0 मीरा पाल

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

मुक्त चिन्तन

जल भरो अभियान के तहत घड़े में जल भरती हुई कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी, माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी जी, रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी, कुलसचिव श्री विनय कुमार जी एवं कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राएं, अभिभावकगण विश्वविद्यालय के समस्त निर्देशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक

गणेश वन्दना प्रस्तुत करती हुई छात्रायें तथा सभागार में उपस्थित छात्र–छात्राएं, अभिभावकगण विश्वविद्यालय के समस्त निर्देशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक

अध्यक्षा
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांकः 27 फरवरी, 2023
ting Style: Parent Child Relationship in School Going Children.
प्रो0 सीमा सिंह
क्रम स्थल – अटल प्रेक्षागृह, उ.प्र. रा
न मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
डॉ. गौरी द्विवेदी

मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए प्रो0 अजेन्द्र मलिक

विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर कुमार त्रिपाठी जी, रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी एवं कुलसचिव श्री विनय कुमार जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए क्रमशः श्री अमित कुमार सिंह, डज्ञॅ0 दीप्ति श्रीवास्तव तथा डॉ0 दिनेश कुमार गुप्ता

मुक्त चिन्तन

माननीय अतिथियों का परिचय एवं स्वागत तथा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

मुक्त चिन्तन

मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल जी को अंगवस्त्र, फल की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मानकरती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मानीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं फल की टोकरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

विशिष्ट अतिथि प्रभाकर त्रिपाठी जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं फल की टोकरी भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 जी0एस0 शुक्ल, तथा रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्राचार्या गौरी द्विवेदी

मुक्त चिन्तन

शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है : प्रभाकर त्रिपाठी

विशिष्ट अतिथि श्री प्रभाकर त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है। गुरुओं का आशीष बच्चों के व्यक्तित्व में बदलाव ला सकता है। माता पिता अपने बच्चों को इस योग्य बनाएं कि वे समाज में सम्मानजनक पद प्राप्त कर सकें।

श्री प्रभाकर त्रिपाठी

मुक्त चिन्तन

बच्चों को अच्छे संस्कार दें–सांसद केशरी देवी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर, शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को पेरेंटिंग स्टाइलरू पैरेंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन विषय पर आयोजित कार्यशाला की मुख्य अतिथि श्रीमती केशरी देवी पटेल, सांसद ने कहा कि माता–पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बच्चों से खचाखच भरे अटल प्रेक्षागृह में कहा कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर माता–पिता बच्चों के जीवन को सार्थक बनाएं। बच्चों को भी चाहिए कि वह अपने गुरुजनों का सम्मान करें। आजकल के बच्चे समझदार हो गए हैं। मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें। कोशिश सब को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोरांव एवं नवाबगंज विधानसभा से अच्छे बच्चे निकल रहे हैं। खेलो इंडिया में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव वालों को अपने बच्चों को प्रेरणा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। देश की समृद्धि के लिए वह अपना महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज लड़कियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। हमें उन्हें आगे निकलने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह दी। संसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि हमें जल संग्रहण पर विशेष ध्यान देना होगा। पानी बचाने की मुहिम चलानी होगी। जलस्तर बहुत तेजी से नीचे जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र में 75 तालाब बनाने का निर्णय लिया गया है। पानी के बिना जीवन नहीं रह सकता। जल का दोहन रोकना होगा। बच्चों को इस दिशा में घर से प्रयास करने की आवश्यकता है।

मा0 केशरी देवी पटेल

रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेलजोल बढ़ाना होगा : कुलपति

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाए जाय यह कार्य माता पिता सही ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी रिश्तों में बदलाव आते हैं। इधर 5–10 वर्षों में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेलजोल बढ़ाना होगा। बच्चों को समझने का प्रयास करना होगा। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि आजकल के बच्चों को हेलीकॉप्टर पेरेंट्स तथा बुलडोजर पेरेंट्स नहीं चाहिए।

मा0 कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कुलसचिव श्री विनय कुमार

राष्ट्रगान

मुक्त चिन्तन

द्वितीय सत्र

कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए तथा मंचासीन माननीय अतिथिगण

कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं का निराकरण किया।

मुक्त चिन्तन

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी

मुक्त चिन्तन

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी

मुक्त चिन्तन

सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यशाला में अभिभावकों एवं छात्रों की जिज्ञासाओं का निराकरण करते हुए मनोवैज्ञानिक श्री कमलेश तिवारी, माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह, प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं डॉ रंजना तिवारी एवं सास्कतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई छात्रायें

सहजसत्ता

शिक्षक व अभिभावक बच्चों को अच्छे संस्कार दें : केशरी देवी

शिक्षा के मंदिर में मिले ज्ञान से बच्चों का भविष्य निर्धारितः प्रभाकर

प्रयागराज(नि.सं)। माता-पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। अभिभावक अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर बच्चों के जीवन को सार्थक बनाएं। बच्चों को भी चाहिए कि वह अपने गुरुजनों का सम्मान करें। आजकल के बच्चे समझदार हो गए हैं। मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें।

यह बातें फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर, शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 'पेरेंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में बच्चों व अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि सोरांव एवं नवाबगंज विधानसभा से अच्छे बच्चे निकल रहे हैं। खेलो इंडिया में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव वालों को अपने बच्चों को प्रेरणा देनी चाहिए। बच्चे देश का भविष्य हैं। देश की समृद्धि के लिए वह अपना महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज लड़कियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। हमें उन्हें आगे निकलने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह दी।

सांसद ने कहा कि हमें जल संग्रहण पर विशेष ध्यान देना होगा। पानी बचाने की मुहिम चलानी होगी। जलस्तर बहुत तेजी से नीचे जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र में 75 तालाब बनाने का निर्णय लिया गया है। पानी के बिना जीवन नहीं रह सकता। जल का दोहन रोकना होगा। बच्चों को इस दिशा में घर से प्रयास करने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि प्रभाकर त्रिपाठी, डीआईजी, सीआरपीएफ ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है। गुरुओं का आशीष बच्चों के व्यक्तित्व में बदलाव ला सकता है। माता पिता अपने बच्चों को इस योग्य बनाएं कि वे समाज में सम्मानजनक पद प्राप्त कर सकें। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाया जाय यह कार्य माता पिता सही ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी रिश्तों में बदलाव आते हैं। इधर 5-10 वर्षों में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेल-जोल बढ़ाना होगा। बच्चों को समझने का प्रयास करना होगा।

इसके पूर्व कार्यशाला तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार ने किया। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यशाला में रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य डॉ गौरी द्विवेदी, डॉ दिनेश सिंह, डॉ अजेंद्र मलिक, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, अमित सिंह आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

बच्चों को अच्छे संस्कार दें : केशरी देवी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 'पेरेंटिंग स्टाइलः पैरंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रेन' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य अतिथि सांसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि माता-पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बच्चों से खचाखच भरे अटल प्रेक्षागृह में कहा कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर माता-पिता बच्चों के जीवन को सार्थक बनाएं। विशिष्ट अतिथि सीआरपीएफ के डीआईजी प्रभाकर त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है। संवाद

पायनियर

लखनऊ, मंगलवार, 28 फरवरी 2023

खेलो इंडिया में क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे बच्चे : केशरी देवी

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला पेरेंटिंग स्टाइल पैरंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन विषय पर आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि फूलपुर सांसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि माता पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें। जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बच्चों से खचाखच भरे अटल प्रेक्षागृह में कहा कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर माता पिता बच्चों के जीवन को सार्थक बनाएं। बच्चों को भी चाहिए कि वह अपने गुरुजनों का सम्मान करें। आज कल के बच्चे समझदार हो गए हैं। मन लगाकर शिक्षा ग्रहण करें। कोशिश सब को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सोरांव एवं नवाबगंज विधानसभा से अच्छे बच्चे निकल रहे हैं। खेलो इंडिया में क्षेत्र का नाम रोशन किया है। गांव

वालों को अपने बच्चों को प्रेरणा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। देश की समृद्धि के लिए वह अपना महत्वपूर्ण योगदान करेंगे। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आज लड़कियां फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं। हमें उन्हें आगे निकलने से नहीं रोकना चाहिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने की सलाह दी। संसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि हमें जल संग्रहण पर विशेष ध्यान देना होगा।

- माता पिता ही दे सकते हैं बच्चों को सही दिशाः प्रो सीमा सिंह
- उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

पानी बचाने की मुहिम चलानी होगी। जलस्तर बहुत तेजी से नीचे जा रहा है। हर लोकसभा क्षेत्र में 75 तालाब बनाने का निर्णय लिया गया है। पानी के बिना जीवन नहीं रह सकता। जल का दोहन रोकना होगा। बच्चों को इस दिशा में घर से प्रयास करने की आवश्यकता है।

अध्यक्षता कर रहीं मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाए जाए यह कार्य माता पिता सही ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी रिश्तों में बदलाव आते हैं। इधर पांच से दस वर्षों में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेलजोल बढ़ाना होगा। बच्चों को समझने का प्रयास करना होगा। प्रो सिंह ने कहा कि आजकल के बच्चों को हेलीकॉप्टर पेरेंट्स तथा बुलडोजर पेरेंट्स नहीं चाहिए। विशिष्ट अतिथि प्रभाकर त्रिपाठी डीआईजी सीआरपीएफ ने कहा कि शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है। गुरुओं का आशीष बच्चों के व्यक्तित्व में बदलाव ला सकता है। माता पिता अपने बच्चों को इस योग्य बनाएं कि वे समाज में सम्मानजनक पद प्राप्त कर सकें। प्रारंभ में कार्यशाला तथा स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो जी एस शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन डॉ मीरा पाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव विनय कुमार ने किया। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक कमलेश तिवारी एवं मनोवैज्ञानिक सलाहकार डॉ रंजना तिवारी ने अभिभावकों की जिज्ञासाओं को शांत किया। कार्यशाला में रूद्रप्रयाग विद्या मंदिर की प्रधानाचार्य डॉ गौरी द्विवेदी डॉ दिनेश सिंह डॉ अजेंद्र मलिक डॉ दीप्ति श्रीवास्तव अमित सिंह डॉ प्रभात चंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दैनिक अमृत प्रभात

बच्चों को अच्छे संस्कार दें: सांसद केशरी देवी

भारत कनेक्ट

हिन्दी दैनिक — लखनऊ, कानपुर प्रयागराज व आगरा से प्रकाशित — प्रयागराज, मंगलवार 28 फरवरी, 2023 — वर्ष : 01 — अंक : 70 — पृष्ठ : 08 — मूल्य: ₹ 2

बच्चों को अच्छे संस्कार दें: सांसद केशरी देवी

भारत कनेक्ट संवाददाता

हिन्दुस्तान

बच्चों को दें अच्छे संस्कारः सांसद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को पेरेंटिंग स्टाइलः पैरंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सांसद केशरी देवी पटेल ने कहा कि माता-पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाए जाए, यह कार्य माता-पिता कर सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डीआइजी सीआरपीएफ प्रभाकर त्रिपाठी, प्रो. जीएस शुक्ल, कुलसचिव विनय कुमार उपस्थित रहे।

प्रयाग प्रभात

बच्चों को अच्छे संस्कार दें : केशरी देवी

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, के स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा एवं रुद्रप्रयाग विद्या मंदिर, शांतिपुरम के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को पेरेंटिंग स्टाइलरू पैरंट्स चाइल्ड रिलेशनशिप इन स्कूल गोइंग चिल्ड्रन विषय पर आयोजित कार्यशाला की मुख्य अतिथि केशरी देवी पटेल,सांसद ने कहा कि माता पिता बच्चों को अच्छे संस्कार दें, जिससे वह भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाएं। शिक्षक बच्चों को आदर्श नागरिक बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बच्चों से खचाखच भरे अटल प्रेक्षागृह में कहा कि अच्छी से अच्छी शिक्षा ग्रहण करवाकर माता-पिता बच्चो के जीवन को सार्थक बनाएं।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि कि जीवन के किस मोड़ पर बच्चों को सही ढंग से कैसे समझाए जाय यह कार माता पिता सही ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी रिश्तों में बदलाव आते हैं।

सद्भावना का प्रतीक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक — डीएवीपी से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बच्चों को अच्छे संस्कार दें:सांसद केशरी देवी

हरबात

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र — RNI No.-UPHIN/2020/82181 — प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 03 — अंक : 84 — प्रयागराज, मंगलवार, 28 फरवरी, 2023, — पृष्ठ : 4 — मूल्य : 1 रुपया

बच्चों को अच्छे संस्कार देने की जरुरतःकेशरी देवी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत
अभिभावक बच्चों को अच्छे संस्कार दें: सांसद केशरी देवी
बच्चों को हेलीकॉप्टर पेरेंट्स तथा बुलडोजर पेरेंट्स नहीं चाहिए: कुलपति सीमा सिंह

शिक्षा के मंदिर में मिला ज्ञान बच्चों का भविष्य निर्धारित करता है: डीआईजी

इलाहाबाद एक्सप्रेस
इलाहाबाद एक्सप्रेस प्रयागराज
बच्चों को अच्छे संस्कार दें शिक्षक व अभिभावक : सांसद केशरी देवी
शिक्षा के मंदिर में मिले ज्ञान से बच्चों का भविष्य निर्धारित : प्रभाकर

रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेल-जोल बढ़ाना होगा : कुलपति

वॉइस ऑफ इलाहाबाद
शिक्षक व अभिभावक बच्चों को अच्छे संस्कार दें: सांसद केशरी देवी
रिश्तों में दूरियां समाप्त करने के लिए मेल-जोल बढ़ाना होगाः कुलपति

lEeku

m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ds dqyifr lfpoky; esa dk;Zjr f'ko iwtu tk;loky dks ekuuh;k dqyifr izksQslj lhek flag th us mudh lR;fu"Bk] deZBrk ,oa dk;Zdq'kyrk gsrq

dqyifr lfpoky; esa dk;Zjr f'ko iwtu tk;loky dks lEekfur djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0

foRr lfefr dh 51oha cSBd vk;ksftr

m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt }kjk foRr lfefr dh 51oha cSBd fnukad 28 Qjojh] 2023 dks vijkg~~u 03%00 cts desVh d{k esa vkgwr dh xbZA cSBd dh v/;{krk izks0 lhek flag] ekuuh;k dqyifr] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt us dhA cSBd esa dbZ egRoiw.kZ fu.kZ; fy, x;sA

ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag

foRr lfefr dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr lnL;x.kA

cSBd esa izeq[k lfpo mPp f'k{kk] m0 iz0 'kklu dh vksj ls MkW0 ds-lh- oekZ] {ks=kh; mPp f'k{kk vf/kdkjh] iz;kxjkt] Jh c`t fd'kksj flag ¼vkbZ0,0,l0½] lsokfoo``Rr] iwoZ vk;qDr] iz;kxjkt e.My] iz;kxjkt] lfpo] foRr foHkkx] m0 iz0 'kklu dks vksj ls Jh izeksn dqekj flag] vij funns'kd] isa'ku ,oa dks"kkxkj] iz;kxjkt] Jh 'kf'k Hkw"k.k flag rksej] foRr vf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] Jh fou; dqekj] dqylfpo] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ,oa Jh Mh-ih- flg] ijh{kk fu;a=kd] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt mifLFkr jgsA

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज